KPT
KUMAWAT
PRAGATI TRUST

2 गज दूरी
मास्क जरूरी

मासिक
कुमावत इंडिया
कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com
website : www.kumawatindiapatrika.com

वर्ष-5 | अंक-7 फरवरी-2022 पृष्ठ-32 मूल्य : ₹ 20.00

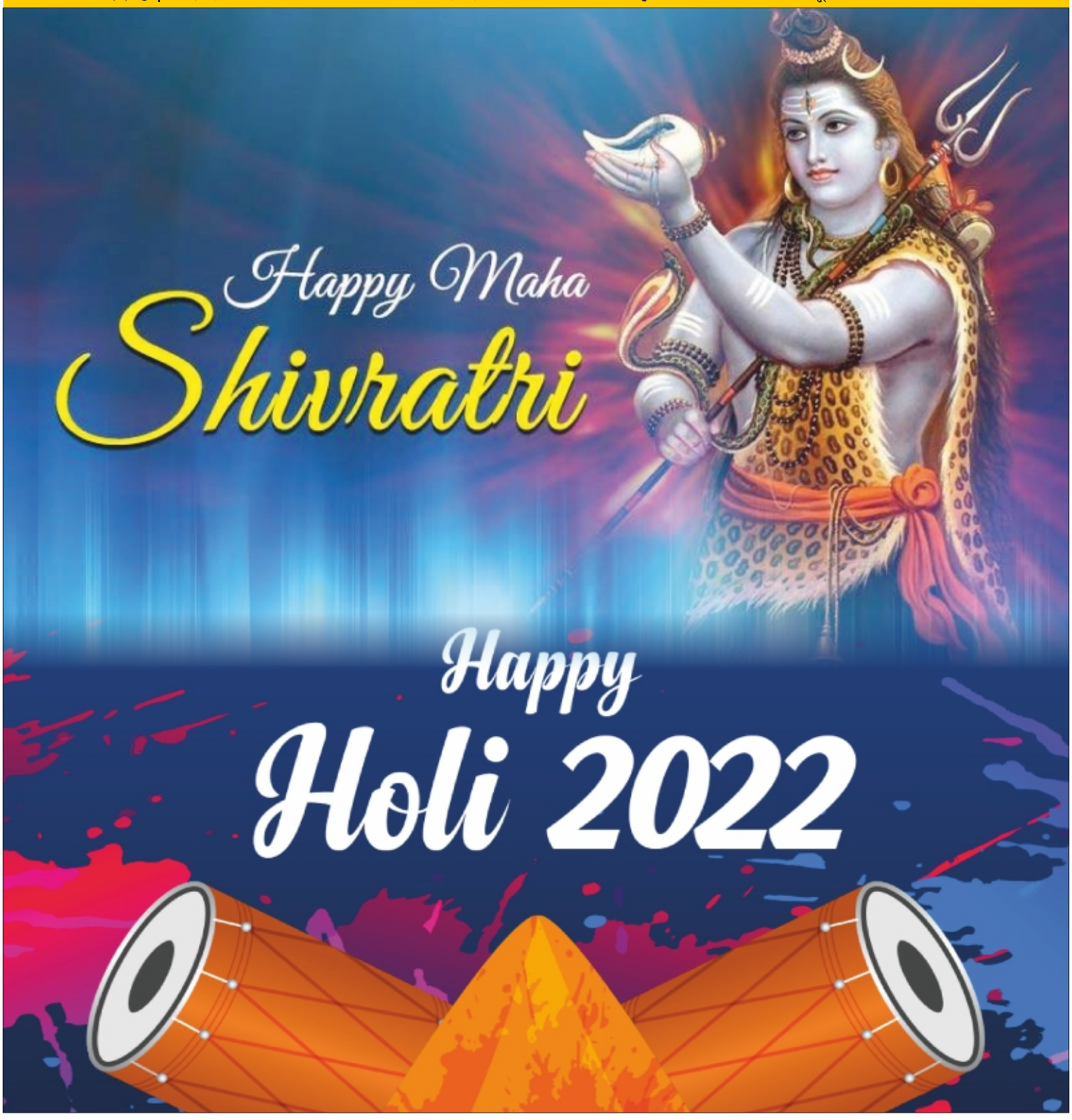

हार्दिक बधाई

स्व. श्री बद्रीनारायण कुमावत की दत्तक सुपौत्री तथा श्रीमती लादी देवी एवं स्व. श्री गुलाब चन्द कुमावत की सुपौत्री **डॉ. देवांशी** संग **इंजी. पवन** का

शुभ विवाह 18 फरवरी, 2022

बधाल रिसोर्ट, जोबनेर रोड, जयपुर

साहजी नानग राम जी जेठीवाल-श्रीमती प्रेम देवी तथा रूप सिंह कारगवाल-श्रीमती शारदा देवी

दादू संप्रदाय के महंत श्री श्री 1008 गोवर्धन दास जी

महाराज श्री बालमुकुन्द आचार्य से आशीर्वाद लेते

पूर्व चिकित्सा मंत्री श्री कालीचरण सर्राफ

राजस्थान शिल्प एवं माटी कला बोर्ड के उपाध्यक्ष माननीय डूंगर राम जी गैदर तथा श्री बी.डी. कुमावत RAS

श्री निर्मल कुमावत विधायक, फुलेरा

शुभेच्छु

माता-पिता : श्रीमती शारदा-रूप सिंह कारगवाल, **चाची-चाचा :** श्रीमती उर्मिला-उमेश कारगवाल **बुआ-फूफा :** श्रीमती विमला-विजय मण्डावरा एवं श्रीमती उमा-सुशील कुमावत

भाई-बहन : गर्वित, मिष्ठी, जयकुमार, गुंजन, अंशुल एवं अविक

:: कार्यालय एवं निवास :: **रूपन आर्ट्स** जयपुर । दिल्ली । नेपाल

ई-544, लालकोठी स्कीम, ज्योति नगर पुलिस थाने के सामने, जयपुर मो. 9314502407, 9314502294

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

मुख्य संरक्षक	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	**मो. 9414994006**
अध्यक्ष	:	रमेश कुमावत (गेदर)	**मो. 9414554322**
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	**मो. 9887440666**
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	**मो. 9414810584**
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	**मो. 9549656438**
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	**मो. 9829056063**
		हेमचन्द खड़गटा	**मो. 9351682036**
		मनोज सिरस्वा	**मो. 9414043127**
		रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	**मो. 9414074376**
		जयकिशन सोकिल	**मो. 9829125428**
		चेतन बालोदिया	**मो. 9414052736**
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	**मो. 9414263429**

सम्पादक मण्डल : रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) सम्पादक - 9414074376, जयसिंह गुड़ीवाल सह-सम्पादक 9461343432, गौरव अजमेरा 9829488824, प्रमोद कुण्डलवाल 9414362169, मनीष कुमावत 9660702083 **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, चन्द्र प्रकाश अजमेरा 9928088815, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, श्रीमती राजबाला बिर्थला 7976475370, प्रभुदयाल तुनगरिया किशनगढ़ 9680931428 एवं खेमचंद खड़गटा 9829140629, अशोक कुमावत - 9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397** **दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580** **सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444** **वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299** **मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188** **जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301** **कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402** **सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657** **उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** दयाशंकर रावड़िया **मो. 9414391034** **ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493** **किशनगढ़ :** नन्दकिशोर पारमवाल **मो. 9667090499** **बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957** **सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812** **इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645** **प्रोसेसिंग व मुद्रक :** राज ब्लॉक्स, चौड़ा रास्ता, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-600

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर सूचित अवश्य करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित सम्पादक राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

सम्पादकीय

प्रकाश के दो आयाम है, दो पक्ष है- एक ऊर्जा और दूसरे को आभा के नाम से पुकारा जाता है। एक से हमको उष्मा दूसरे से मार्गदर्शन प्राप्त होता है। सर्दी लग रही है तो हमें प्रकाश से प्राप्त उष्मा गर्मी प्रदान करती है व अंधकार से घिर जाने पर प्रकाश की एक किरण हमें सुरक्षित मार्ग की ओर इंगित कर देती है। हमारे शरीर में विद्यमान आत्मा के भीतर से निकलने वाली आत्मिक ज्योति, जितनी प्रगाढ़ होगी उतना ही हमारा ज्ञान, विवेक, समझ, व्यवहार और शालीनता प्रगाढ़ होगी। हमारा व्यक्तित्व उत्कर्षता को समर्पित होगा और आदर्शवादिता सहज ही जीवन-व्यवहार बन जायेगी।

वर्तमान में हमारे व परिवारजनों के भीतर इस आत्मिक ज्योति की आवश्यकता है। घर में बड़े बुजुर्गों का सानिध्य, संरक्षण एवं मार्गदर्शन के द्वारा इस ज्योति की सहज उपलब्धि हो सकती है।

अखबारों में आत्महत्या, बलात्कार, ठगी, पारिवारिक कलह और तलाक आदि की अप्रिय घटनाओं की खबरें हर रोज पढ़ने को मिल रही है। इनके मूल कारणों में से एक आत्मा के भीतर से निकलने वाली आत्मिक ज्योति का बंद होना है। आज हम भौतिक सुख-सुविधाओं और बेशुमार धन संपत्ति को बटोरने की अंधी चाहत में मानवता के दु:ख के आंसू पूछना भूलकर, संवेदनहीन हो गए हैं। दूसरों को कष्ट व पीड़ा में देखकर हम द्रवित नहीं होते और उनकी मदद नहीं करते हैं। हमने हमारी परिवार व्यवस्था को कमजोर कर दिया है। परिवार सद्गुणों के अभ्यास एवं विकास की प्राथमिक पाठशाला है, जिसमें बच्चों को ही नहीं बड़ों को भी मानवीय प्रकृति को समझने, आपसी तालमेल बिठाने और जीवन जीने की आंतरिक परिष्कार व सर्वांगीण विकास होता है। आज कमजोर हुई इस परिवार रूपी संस्कारशाला को सहेजने की आवश्यकता है क्योंकि इसमें काम, क्रोध, लोभ, मोह, अंधकार, राग, द्वेष जैसे विकारों का समूल परिष्कार कर पाना संभव होता है।

होली के इस उत्सव पर परिवार की संस्कारशाला में हमें, हमारी आत्मिक ज्योति को अपने लक्ष्य के अनुरूप, कसी हुई दिनचर्या, तन-मन, विचार-भाव एवं व्यवहार को अनुशासित कर अधिक से अधिक प्रज्वलित करना है ताकि सकारात्मक ऊर्जा आसमान में बिखरे हुए गुलाल की तरह चारों ओर बुराई पर अच्छाई की जीत हो सकें। अर्थात् हम बुराइयों को छोड़कर परिवार व अपनों के साथ हिलमिलकर उमंग से होली मनाएं। इस अवसर पर हम सभी प्राकृतिक रंगों व गुलाल का उपयोग करे तथा पानी का महत्व समझते हुए बिना पानी होली खेल कर पानी बचाइए।

होली के उत्सव पर '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका परिवार की ओर से सभी को **हार्दिक शुभकामनाएं।**

- रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.com पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय	3
कुमावत इंडिया पत्रिका की अपील : सूखी होली खेलिए, खुशियों के रंग घोलिए	4
डूंगर राम गैदर, राजस्थान शिल्प एवं माटी कला बोर्ड के उपाध्यक्ष	5
किसानों की रोल मॉडल 70 साल की निरक्षर 'साइंटिस्ट' भगवती देवी कुमावत	5
इसके बिना अधूरी है जयपुर की होली...गुलाल गोटा	6
'भारत रत्न' लता मंगेशकर का निधन	7
बप्पी दा नहीं रहे	7
बालनिवास, जयपुर में झंडारोहण कार्यक्रम	8
ललित कुमावत को गणतंत्र दिवस पर प्रशस्ति पत्र	8
हेमंत माननीया गणतंत्र दिवस पर सम्मानित	8
चित्तौड़गढ़ में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन	8
82 हजार किलो की घण्टी, बनेंगे 3 विश्व रिकॉर्ड	8
दृष्टिहीन पिता की बेटी पूजा कुमावत का डीआरडीओ में चयन	9
महेन्द्र लाल कुमावत राज्यस्तरीय समिति के सदस्य नियुक्त	9
सी.पी. कुमावत राजकीय ललित कला महाविद्यालय विकास समिति के सदस्य मनोनीत	9
हंसराज को जिला कलेक्टर, टोंक द्वारा दिया गया प्रशस्ति पत्र	9
इंडियाज गॉट टैलेंट-9 में जादूगर गुरु का प्रदर्शन	10
कन्हैया लाल ईठारा द्वारा लिखित लघु पुस्तिका 'पीड़ा' का विमोचन	10
केदार नारायण कुमावत पदोन्नत	10
मुकेश कुमावत, बोराज को इस वर्ष भी एलआईसी से प्रशस्ति पत्र	11
जादूगर आंचल की ख्याति अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंची	11
सुरूचि सत्संगी ने पीएचडी की, बाल किशन कुमावत को पीएचडी उपाधि	11
दहेज लेने से किया इंकार	11
सांवेर में 10 जोड़ों का सामुहिक विवाह सामारोह सफलता पूर्वक सम्पन्न	12
सांवेर, भंदे बालाजी, बगरू, ब्यावर में सामुहिक विवाह	12
1 रु. तथा नारियल में होगा विवाह	12
राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति समिति, जयपुर ने बढ़ाया उत्साह, प्रतिभावान खिलाड़ियों का किया सम्मान	13
राजकीय बालिका विद्यालय, जाहोता को दिया हैरिटेज लुक	13
होली शुभकामना विज्ञापन	15-18
संत रविदास जी की जयंती पर विशेष	19
डॉ. आशा का मेडीकल ऑफिसर मे चयन	19
ब्रज से अलेबली है बनगांव की होली, हजारों लोग खेलते हैं 'घुमौर होली'	20
होली पर जल संरक्षण का दिया जा रहा है संदेश	20
रंगों का त्योहार होली	21
कुमावत दम्पत्ति ने की अनूठी पहल	21
चिताओं की राख से खेलते हैं मणिकर्णिका घाट पर होली	22
प्राचीनकाल से ही होली मनाने के साक्ष्य	23
विशिष्ट संरक्षक/श्रद्धांजलि	24
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	25
'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें	26
समाज के प्रतिभावाशाली युवा सीए परीक्षा में उत्तीर्ण	27
डॉ. ललित कुमावत चिकित्सा अधिकारी नियुक्त	27
सुशील कुमावत जोधपुर से करेंगे MBBS	27
पीयूष कुमार को गोल्ड मैडल	27
विशिष्ट संरक्षक : श्री गोपाललाल कुमावत (मारोठिया), श्री महेंद्र सिंह तारकसी	27
देवों के देव, महादेव का पर्व महाशिवरात्रि	28
राजेश कुमावत उत्तराखंड प्रभारी नियुक्त	28
उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के चेयरमैन बनाये गए श्री ईश्वर लाल वर्मा	28
मालवीय नगर समाज भवन, जयपुर : भूमि का पट्टा लिया व पंजीकृत करवाया गया	28
श्रद्धांजलि	29
वैवाहिक एवं बधाई विज्ञापन	30

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की अपील : सूखी होली खेलिए, खुशियों के रंग घोलिए

होली का पर्व दस्तक दे रहा है। हर किसी ने होली की तैयारी भी जोर-शोर से शुरू कर दी है। सभी को प्यार के रंग में रंग देने वाले होली के त्योहार पर हर व्यक्ति अपने और दूसरों के जीवन में खुशियों के रंग भर देना चाहता है। कच्चे पक्के, केमिकलयुक्त रंग व गुलाल से दुकानें पूरी तरह सज चुकी है। कोई अबीर से तो कोई गुलाल से, वहीं कोई पक्के रंग और पानी से होली खेलता है। बाजार में बिकने वाले ये रंग-गुलाल हमारी त्वचा को नुकसान पहुंचाते है। वहीं दूसरी ओर होली खेलने के बाद शरीर को साफ करने व कपड़े धोने में आम दिनों के मुकाबले कई गुना पानी इस्तेमाल होता है अर्थात् पानी व्यर्थ बर्बाद हो जाता है।

आज पानी की हर बूंद का महत्व है तथा 'जल संरक्षण' की विशेष आवश्यकता है। **ऐसा नहीं है कि इसके चलते आप त्योहार का आनंद न उठाएं लेकिन त्योहार की मस्ती में आप अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को न भूलें।** अगर आप थोड़ी समझदारी दिखाएंगे तो न सिर्फ होली में जमकर मस्ती कर सकेंगे बल्कि पानी को भी बर्बाद होने से बचा सकेंगे।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका आपसे अपील करती है कि इस बार ऑर्गेनिक गुलाल व फूलों के साथ होली खेलने का संकल्प लें साथ ही दूसरों को भी ऐसा करने को प्रेरित करें। इसके लिए हमें सामाजिक संस्थाओं, आसपास की विकास समितियों, आम लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। नैचुरल कलर्स से त्वचा को नुकसान नहीं होता वहीं इन कलर्स को त्वचा से हटाना आसान होता है। साथ ही पानी की बचत भी होती है। होली पर पानी के गुब्बारों का इस्तेमाल कदापि न करें इससे किसी को चोट लग सकती है। त्वचा व बालों की सुरक्षा के लिए आप इस पर अच्छी तरह ऑयल लगाना नहीं भूलें।

होली के अवसर पर **टीम चेतन धुंधारिया** की ओर से 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के विज्ञापनदाताओं व समाजजनों को ऑर्गेनिक सुगंधित गुलाल भेंट करने की अनूठी पहल की जा रही है, जिसका मैं, हार्दिक स्वागत करता हूँ।

-रमेश गैदर, अध्यक्ष, 'कुमावत इंडिया' पत्रिका

डूंगर राम गैदर, राजस्थान शिल्प एवं माटी कला बोर्ड के उपाध्यक्ष

राजस्थान सरकार ने शिल्प एवं माटी कला बोर्ड के उपाध्यक्ष पद पर श्री डूंगर राम गैदर को नियुक्त किया है। श्री डूंगर राम गैदर ने राजस्थान शिल्प एवं माटी कला बोर्ड के उपाध्यक्ष का पदभार उद्योग भवन, जयपुर में 11 फरवरी को ग्रहण किया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी राजस्थान के मुख्यालय प्रभारी श्री ललित तुनवाल, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव मुकेश वर्मा, समाजसेवी कालूराम लिम्बा, एडवोकेट इंद्राराम सहित प्रदेशभर से पधारे सामाजिक कार्यकर्ताओं, समाजसेवकों, यूथ कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं तथा सोशल मीडिया की उपस्थिति रही। पदभार ग्रहण करने के उपरांत बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी, महात्मा ज्योतिबा फुले के स्मृति स्थल पर जाकर नमन किया।

जीवन परिचय : श्री डूंगर राम गैदर ने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत बसपा से की तथा प्रदेश अध्यक्ष व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रहे। इन्होंने सूरतगढ़ विधानसभा सीट से बसपा से वर्ष 1993, 1998, 2013 व 2018 में चुनाव लड़ा। वर्ष 2000 में लूणकरणसर से उप चुनाव लड़ा पर सफल नही हो पाए। ये वर्ष 2015 में जिला परिषद सदस्य निर्वाचित हुए। इन्होंने वर्ष 2019 में बसपा छोड़ कांग्रेस का दामन थामा। राजस्थान सरकार ने इनके शालीन व्यवहार एवं राजनीतिक कद को पहचान कर यह नियुक्ति दी है। इससे हमारे समाज का मान बढ़ा है।

श्री डूंगर राम गैदर ने इस अवसर पर कहा कि यह बोर्ड जनमानस से जुड़ा हुआ है एवं शिल्पकारों के जीवन की महत्वपूर्ण कड़ी है। हमें शिल्प कला व माटी कला को संरक्षित व प्रोत्साहित करना होगा।

कांग्रेस ने श्री डूंगरराम गैदर को पंजाब विधानसभा चुनाव में फाजिल्का जिला के लिए को-ऑब्जर्वर भी नियुक्त किया है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका एवं कुमावत समाज की ओर से श्री डूंगरराम गैदर को नवीन नियुक्ति के लिए हार्दिक बधाई।

किसानों की रोल मॉडल 70 साल की निरक्षर 'साइंटिस्ट' भगवती देवी कुमावत

दीमक से दोस्ती

सीकर जिले के गोवटी गांव में टोडूरामजी के यहां वर्ष 1952 में भगवती देवी का जन्म हुआ। आपके पांच भाई और दो बहनें है, पिता पहाड़ी से पट्टियां निकालने का काम करते थे और माँ मूलीदेवी खेती करतीं थी तथा आप उनका साथ देती थी। घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने की वजह से आप पढ़ नहीं सकी। 1971 में आपकी शादी दांता निवासी श्री सुंडाराम वर्मा से हुई। जिन्होंने बीएससी तक पढ़ाई की थी। उनकी पढ़ाई-लिखाई भगवती देवी के काम आई। अब भगवती देवी दूसरों को कीटनाशकों के छिड़काव से बचने की ट्रेनिंग देती है। वे महिलाओं को स्वाभिमान नाम की संस्था में नए-नए प्रयोगों के लिए प्रोत्साहित करती है, जो आसपास की महिला-पुरुष किसानों को प्रेरित करने का काम करती है। यह संस्था उन्नत बीजों और खेती के नए तौर-तरीकों और कीटनाशकों के नुकसान के बारे में किसानों को जागरूक कर रही है।

70 साल की महिला किसान श्रीमती भगवती देवी किसानों की रोल मॉडल हैं, वह राजस्थानी भाषा में बात करती हैं। उनके पति कृषि वैज्ञानिक हैं, उन्होंने कृषि में अनेक प्रयोग किये हैं। श्रीमती भगवती देवी पढ़ी-लिखी नहीं होने के बावजूद पीछे नही रही, उन्होंने अपना पहला प्रयोग 2004 में किया। एक दिन वो जलाने के लिए खेतों में लकड़ियाँ जुटा रही थी, जुटाई गई लकड़ियों में उन्होंने देखा कि सफेदे (यूकेलिप्टस) की लकड़ी में ढेर सारी दीमक लगी हुई है। तब उनके मन में यह ख्याल आया कि जिस सफेदे को दीमक इतने प्रेम से खाती है, अगर उसे फसलों के बीच-बीच में रख दिया जाए तो शायद दीमक फसलों को छोड़कर सफेदे की लकड़ियों को खाने लगेंगी।

शेष पृष्ठ 14 पर ...

जयसिंह गुडीवाल सह सम्पादक की विशेष रिपोर्ट....

इसके बिना अधूरी है जयपुर की होली...गुलाल गोटा

गुलाबी नगरी का गुलाल गोटा बहुत प्रसिद्ध है। होली हो और जयपुर के गुलाल गोटे की बात न हो ऐसा कैसे हो सकता है? चार ग्राम लाख और आठ ग्राम गुलाल... दोनों का संगम, आज भी पूर्व राज परिवारों से लेकर आम लोगों की पसंद बना हुआ है। मनिहारों के रास्ते पर सजी दुकानें इसकी गवाह है। वक्त के साथ ही गुलाल गोटे ने भी कई पुश्तों में हो रहे बदलावों को देखा है। मनिहार परिवार तो पीढ़ियों से गुलाल गोटा बना रहा है। गुलाल गोटा कभी राज परिवारों की शान हुआ करता था लेकिन आज गुलाबी नगरी का गुलाल गोटा पूरी दुनिया में अपनी खास पहचान बना चुका है। देश में ही नहीं विदेशों में भी जयपुर के गुलाल गोटो से होली खेली जाती है। लोगों का मानना है कि गुलाल गोटा जयपुर की संस्कृति से जुड़ा है। पहले गुलाल गोटा से जयपुर के महाराजा अपनी प्रजा से होली खेला करते थे, तब न गुब्बारे थे न रासायनिक रंग। शहर की होली इन गुलाल गोटो के संग शुरू होती थी। शहर में राजा हाथी पर सवार होकर होली खेलने निकलते थे। आम जनता पर वे पिचकारी से रंग फेंकते। सवारी के पीछे एक छकड़े में गुलाल गोटे रखे रहते थे, जिन्हें राजा उठा-उठा कर आम जनता पर फेंका करते थे।

आखिर ऐसा क्या है गुलाल गोटे में कि अब तक इसका वजूद जस का तस बना हुआ है। गुलाल गोटा बनाने वाली महिला कारीगर मुसर्रत जहां व पुत्री रिफाकत सुल्ताना ने बताया कि उनका परिवार 300 सालों से गुलाल गोटा बनाने की परम्परा निभा रहा है। अप्सरा बैंग्लस के मकसूद अहमद ने बताया कि उनके पूर्वजों को कच्छावा राजा ने 300 साल पहले अरब से लाकर यहां बसाया था। रजवाड़े के समय से होली खेलने के लिए गुलाल गोटे का इस्तेमाल किया जाता रहा है। गुलाल गोटा आज ही नहीं बल्कि महाभारत काल से भी ताल्लुक रखता है। युधिष्ठिर ने इंद्रप्रस्थ (मायालोक) महल बनाया, दुर्योधन वहां पानी को जमीन समझ उसमें जा गिरा। इसके साथ ही उसने थाली में सजे फल उठाकर खाए, तो मुंह कड़वा हो गया। दरअसल वो गुलाल गोटे ही थे।

गुलाल गोटे की खासियत यह है कि ये लाख और खालिस अरारोट की गुलाल से बनाये जाते है, जो किसी भी तरह नुकसान नहीं करती है। इसे बनाने के लिए लाख को पहले गर्म करते हैं, फिर फूंकनी की मदद से इसे फुलाकर उसे गुलाल भरकर बंद कर देते हैं। इसे जैसे ही किसी पर फैंका जाता है, लाख की पतली परत टूट जाती है और गुलाल से आदमी सराबोर हो जाता है।

कई बार तो जुबान भी जल जाती है खुशी के रंग भरते-भरते : जयपुर का प्रसिद्ध गुलाल गोटा यूं ही तैयार नहीं हो जाता, बड़ा असाध्य काम है हमारी खुशियों में गुलाल गोटो का रंग भरना। हमारे जीवन खुशियों के रंग भरने वाला यह गुलाल गोटा बड़ी मशक्कत और तकलीफं झेलने के बाद तैयार होता है। गुलाल गोटा बनाने वाले कारीगर पहले जीभ से गोटा फुलाते थे तो गर्म लाख के कारण उनकी जुबान तक जल जाया करती थी। अब हालांकि जीभ का इस्तेमाल नहीं होता लेकिन अंगुलियों से गोटा बनाते हैं तो अंगुलियां झुलस जाती है।

हमारी खुशी के लिए अपनी अंगुलियां जलाते हैं ये कलाकार : राजस्थान की राजधानी गुलाबी नगर यूं ही देश विदेश में अपनी गंगा जमुनी तहजीब और संस्कृति के लिए मशहूर नहीं है। यहां के कलाकार होली के मौके पर अपनी जीभ और अंगुलियां जलाकर आपके और हमारे लिए खुशियों के रंग बांटते हैं।

कलाकारों को खिलाई जाती थी मलाई : गुलाल गोटा रियासतकाल में महल माचियों में खेली जाने वाली होली की शान हुआ करता था। रजवाडे गुलाल गोटा तैयार करने वाले कारीगरों की सेहत तक का ध्यान रखते थे। इन्हें शाम को काम पूरा होने के बाद आधा किलो मलाई खिलाई जाती थी ताकि इनका गला और सेहत दुरूस्त रहे।

अब ना रजवाडे है, ना ही मलाई। हालत यह है कि इन कारीगरों को दो जून की रोटी का जुगाड़ करना भी भारी पड़ रहा है। पहले ये हुनरबाज अपनी जीभ जलाते थे और अब अंगुलियाँ। विरासत को बचाने के लिए आज भी ये कारीगर गर्म लाख से अपनी नाजुक अंगुलियों को जलाकर हमारी होली में रंग भर रहे हैं। गोटा बनाते समय गर्म लाख से गोली बनाते समय अंगुली के पोरों पर छाले पड़ जाते हैं। दिनभर गोटे बनाते समय ये हुनरबाज अपनी अंगुलियां जलाते है। दर्द इस बात है कि राजे-रजवाडों के समय मिलने वाली इमदाद अब बंद हो गई तो इनके लिए रोटी के लाले भी पड़ने लगे हैं। इस कला को बचाने के लिए कोई मदद भी नहीं मिलती। राज्य सरकार को इस ओर ध्यान देकर ठोस कदम उठाने चाहिए ताकि इस कला को जीवंत रखा जा सके।

'भारत रत्न' लता मंगेशकर का निधन

गोवा के मंगेशी गाँव के जाने माने मंगेशी मंदिर के पुजारी के बेटे दीनानाथ मंगेशकर को मराठी थियेटर से प्रेम था। अपनी इसी दिलचस्पी के चलते दीनानाथ अपनी खुद की थियेटर मंडली बनाकर पूरे हिंदुस्तान के शहर शहर घूमे। ऐसे ही घुमन्तू दौर में इंदौर प्रवास के दौरान 28 सितबंर 1929 को उनकी पत्नी शेवंती ने एक बेटी को जन्म दिया। दरअसल सरस्वती खुद चली आई थी पुण्यात्मा दीनानाथ के घर। दीनानाथ ने अपनी इस बेटी को उसकी दिवंगत बड़ी बहन का ही नाम दिया लता।

होनहार एक्टर और उससे भी अच्छे गायक दीनानाथ ज़्यादा जिये नहीं। जब पिता ने आँखें बंद की तब लता केवल तेरह बरस की थी। पिता के ना रहने पर अपने से छोटे भाई बहनों उषा, आशा, मीना और हृदयनाथ की जिम्मेदारी लता के जिम्मे आई और परिवार का पेट भरने के लिये इस बड़ी बड़ी आँखों वाली छोटी सी साँवली लड़की को फिल्मों में एक्टिंग करनी पड़ी। अपना खुद का घर बसाने का ख्याल छोड़कर, अपने भाई बहनों की माँ बनी, यह लड़की जिसे कभी स्कूल जाने का मौक़ा नहीं मिला वह गाना गाने के लिये पैदा हुई थी। उसने यही करना चाहा पर नूरजहां, अमीर बाई कर्नाटकी और शमशाद बेगम का जमाना था वो। गाना गाने में उनकी तूती बोलती थी। सन् 1947 में बंसतराव जोगलेकर ने फिल्म 'आपकी सेवा में' लता को गाने का मौक़ा दिया। लोग इस नई आवाज़ से प्रभावित भी हुए। पर बात बनी 1949 में आई फिल्म 'महल' के एक गाने से, इस फिल्म में लता का गाया हुआ एक गाना 'आयेगा आने वाला', बड़ा मशहूर हुआ और फिर लंबी चोटी वाली लता को कभी पीछे देखने की ज़रूरत नहीं पड़ी। दीनानाथ की **यह बड़ी लड़की इतनी बड़ी हुई कि पूरा ज़माना उसके सामने छोटा पड़ गया।**

हमेशा नंगे पाँव गाना गाने वाली सादी सी लता अपनी मीठी आवाज़ की बदौलत हिंदी फिल्म पार्श्वगायन के शिखर पर पहुंची। लता ने हिंदी फिल्म संगीत को हरा किया। **उन्होंने 20 भाषाओं में 30 हज़ार से ज़्यादा गाने गाये।** दुनियाभर के सम्मान, पुरस्कार उनके सामने बिछ गये। व्यक्तिगत रूप से भी जो आदर मिला उन्हें उसकी बराबरी का दूसरा नाम तलाशना बहुत मुश्किल है। पूरी दुनिया उनकी क़ायल हुई। उनसे गुनगुनाना सीखा संसार ने और उस वक्त भी कोई हैरान नहीं हुआ जब मज़ाक़ में ही सही पर पाकिस्तान के एक डिक्टेटर ने हमसे लता के बदले कश्मीर देने की पेशकश की।

लता भारत की वो रत्न थी जिसके बारे में कभी **बड़े गुलाम अली खाँ साहब ने कहा था, कि जो कमाल हम तीन घंटे में कर पाते हैं उसे लता तीन मिनटों में कर देती है।**

ऐसे में यह मानने का जी नहीं करता कि 'लग जा गले' गाने वाली लता मंगेशकर हमसे हमेशा के लिए छोड़ गई हैं। वो चाहे भी तो हमसे दूर जा ही नहीं सकती। हिंदुस्तानियों की चार पीढ़ियों का मन मीठा करने वाली मिश्री जैसी लता तो आसमां में चमकता ध्रुव तारा है, हमारे संगीत जगत का तथा ध्रुव तारे को तो बना ही रहना है।

लता जी को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से भावभीनी सादर श्रद्धांजलि।

बप्पी दा नही रहे

27 नवम्बर, 1952 को बंगाल में बप्पी लहडी का जन्म शास्त्रीय संगीत से समृद्व परिवार में हुआ। इनका वास्तविक नाम आलोकेश लाहिडी था। उनके मामा किशोर कुमार, मशहूर गायक थे। **बप्पी ने 3 वर्ष की उम्र से ही तबला बजाना सीखना शुरू कर दिया था।** वे 19 वर्ष की उम्र में मुम्बई आ गये। उन्होने संगीत की दुनिया में नाम कमाया। वे सोने के आभूषणों को पहनने के शौकिन थे, आभूषणों का नाम देवी-देवताओं पर रखा और वार, तिथि और त्यौहारों के हिसाब से अलग-अलग आभूषण धारण करते थे।

बप्पी दा ने 1986 में **1 वर्ष में 33 फिल्मों के लिए 180 गाने रिकार्ड कर ''गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड''** में नाम दर्ज कराया। डिस्को डांसर फिल्म के गाने जिमी, **जिमी..... आजा, आजा.....** गाना भी वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड, लंदन में दर्ज हुआ। इस गाने को **45 भाषाओं में डब किया गया।** 'बप्पी दा' संगीत को लेकर प्रयोग करते रहते थे। उनके गाने हर पीढ़ी के द्वारा पसंद किये गये। 'बप्पी दा' 8वें एवं 9वें दशक में भारतीय सिने जगत में डिस्को संगीत को लोकप्रिय किया। उनकी धुनों से सजा गीत **''चलते चलते कभी अलविदा ना कहना''** अपने जमाने का हिट गीत रहा। इनका निधन 69 वर्ष में 16 फरवरी 2022 को हो गया।

बालनिवास, जयपुर में झंडारोहण कार्यक्रम

73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर बाल निवास कल्याण जी के रास्ता, जयपुर पर झंडारोहण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि श्री नवल किशोर बबेरीवाल ने झंडारोहण किया। इस अवसर पर बाल निवास ट्रस्ट के ट्रस्टीगणों की उपस्थिति के साथ समाज की गणमान्य महिलाएँ व पुरुष भी उपस्थित थे।

श्री डूंगर राम गैदर द्वारा सूरतगढ़ में गणतंत्र दिवस पर झंडारोहण किया गया।

ललित कुमावत को गणतंत्र दिवस पर प्रशस्ति पत्र

कोटा थर्मल पंवार स्टेशन में उत्कृष्ट कार्य के लिये श्री ललित कुमावत (कांकर) को गणतंत्र दिवस पर मुख्य अभियंता द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार की ओर से बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएँ।

हेमंत माननीया गणतंत्र दिवस पर सम्मानित

कुमावत समाज के गौरव हेमंत माननीया पुत्र श्री गोपाल माननीया निवासी चांदपोल, उदयपुर को सिविल डिफेंस सेवा में उत्कृष्ठ कार्य करने पर गणतंत्र दिवस पर राजस्थान सरकार के मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास द्वारा जिलास्तरीय सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हेमंत माननीय को हार्दिक बधाई ओर शुभकामनाएँ।

चित्तौड़गढ़ में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

चिक्सी गाँव, चित्तौड़गढ़ में जिला स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेन्ट का आयोजन किया। इसके मुख्य अतिथि श्री गोविन्द सिंह टाँक महापौर उदयपुर, श्री युधिष्टर कुमावत राष्ट्रीय प्रतिनिधि, महासभा तथा विशिष्ट अतिथि श्री गोपाल ओस्तवाल घोसुन्डा, राज कुमार भदाणिया, सौभाग, राधे श्याम आवलहेडा के द्वारा दीप प्रज्वलित कर टूर्नामेंट का उद्घाटन किया गया।

82 हजार किलो की घण्टी, बनेंगे 3 विश्व रिकार्ड

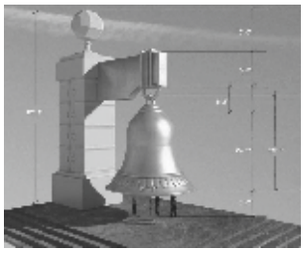

राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित श्री हरिराम कुमावत, जो कोटा में घटोत्कच चौराहा बना चुके है, को चम्बल रिवर फ्रन्ट पर 82 हजार किलोग्राम की घण्टी का निर्माण का जिम्मा सौपा गया है। जो विश्व की सबसे बडी घण्टी होगी। यह कार्य गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में 3 रिकार्ड दर्ज करायेगा। घण्टी का वजन 57 हजार किलो की पूर्व में गणना की गई थी, जो अब 82 हजार किलो होगा। मजबूती के लिए इसमें ज्वैलरी लगाई जा रही है। इसके इंजिनियर स्टीलमैन देवेन्द्र कुमार आर्य है। आर्किटेक्ट अनूप भरतिया के अनुसार इस घण्टी की आवाज 8 किमी तक सुनाई देगी व यह घण्टी 5000 वर्षो तक ऐसी ही अवस्था में रहेगी। यह सिंगल कास्ट होगी अर्थात् इसमें किसी तरह का ज्वाइन्ट नहीं होगा यह घण्टी कोटा (राजस्थान) को विश्व पटल पर पहचान दिलायेगी।

दृष्टिहीन पिता की बेटी पूजा कुमावत का DRDO में चयन

नामली, रतलाम के कुमावत समाज की 23 वर्षीया बेटी पूजा का चयन DRDO में गत 24 जनवरी को हुआ। पूजा के पिता निर्मल सोलंकी दृष्टिहीन है। माता श्रीमती सीमा पर परिवार की जिम्मेदारी थी, घर की आर्थिक स्थिति ठीक नही थी। जब भाई विशाल बड़ा हुआ तो उसने चाय-नाश्ते की दुकान खोलकर परिवार की जिम्मेदारी संभाली तथा बहिन पूजा की इच्छाशक्ति को देखकर उसे आगे पढ़ाया। पूजा ने गाँव नामली के सरकारी स्कूल में 12वीं कक्षा तक पढ़कर आगे कंप्यूटर साइंस में इंजीनिरिंग की है।

पूजा ने भाई से पूछकर DRDO की परीक्षा में भाग लिया। देशभर से केवल 8 अभ्यार्थी चयनित हुए उनमें पूजा भी है तथा प्रदेश से वह एकमात्र युवती है।

पूजा का बचपन से ही सपना था कि कुछ कर दिखाना है। उसका यह सपना माता-पिता व भाई के सहयोग से पूरा हुआ। **'पंख भरने से कुछ नही होता, हौसलों से उड़ान होती है'** इसे चरितार्थ किया पूजा ने। समाज के युवाओं को पूजा कुमावत से प्रेरणा लेनी चाहिए तथा परिस्थितियों विपरीत हो तब भी हौसला बनाये रखना चाहिए।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से DRDO में चयन पर पूजा कुमावत को बहुत बहुत बधाई।

महेन्द्र लाल कुमावत राज्यस्तरीय समिति के सदस्य नियुक्त

राजस्थान सरकार ने प्रतियोगी परीक्षाओं को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु सम्पूर्ण परीक्षा प्रक्रियाओं का विस्तृत अध्ययन करके सुधारात्मक सुझाव देने हेतु एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। इस समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति विजय शंकर व्यास, सदस्य सचिव प्रमुख शासन सचिव, कार्मिक विभाग तथा सदस्य श्री महेंद्र लाल कुमावत से. नि. आईपीएस एवं RPSC के पूर्व चेयरमैन को नियुक्त किया है। यह समिति 45 दिन में अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को सौपेंगी।

श्री महेंद्र लाल कुमावत को इस महत्वपूर्ण समिति का सदस्य बनाये जाने पर **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

सी.पी. कुमावत राजकीय ललित कला महाविद्यालय विकास समिति के सदस्य मनोनीत

राज्य सरकार ने चंद्र प्रकाश कुमावत (सी.पी. कुमावत) पार्षद प्रत्याशी, लालकोठी, जयपुर को राजकीय ललित कला महाविद्यालय विकास समिति, जयपुर का सदस्य मनोनीत किया है। राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट्स, जयपुर ने पहली बैठक 2 फरवरी 2022 को बुलाई थी, जिसमें श्री कुमावत भी सम्मिलित हुए। इस बैठक में वर्ष 2020-21 की ऑडिट रिपोर्ट एवं बजट का अनुमोदन किया गया एवं वर्ष 2021-22 के बजट की स्वीकृति दी गयी।

श्री सी.पी. कुमावत को राजकीय ललित कला महाविद्यालय विकास समिति, जयपुर का सदस्य मनोनीत होने पर **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से बधाई।

हंसराज को जिला कलेक्टर, टोंक द्वारा दिया गया प्रशस्ति पत्र

श्री हंसराज कुमावत निवासी कल्याणपुरा, डाबर कलां देवली, जिला टोंक को सामाजिक कार्यों के लिए जिला कलेक्टर टोंक द्वारा गणतंत्र दिवस 2022 पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। उन्हें यह प्रशस्ति पत्र अपनी जान की परवाह किये बगैर बनास नदी में डूब रही एक युवती को कड़ाके की ठंड में नदी में कूदकर बचाने का साहसिक कार्य करने के लिए प्रदान किया गया है।

ज्ञातव्य है कि सम्मानित करने के लिए सामाजिक स्तर पर सर्वप्रथम 'कुमावत इंडिया' पत्रिका एवं 'टीम चेतन धुंधारिया' ने प्रयास किया तथा जिला प्रशासन तक बात पहुंचाई थी। इसकी परिणति सकारात्मक रही और जिला प्रशासन ने संज्ञान लेकर गणतंत्र दिवस पर इन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका श्री हंसराज कुमावत को जिला कलेक्टर टोंक से प्रशस्ति पत्र मिलने पर हार्दिक बधाई देती है एवं इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

इंडियाज गॉट टैलेंट-9 में जादूगर गुरु का प्रदर्शन

सोनी टीवी पर प्रसारित होने वाले 'इंडियाज गॉट टैलेंट-9' में अपने शानदार प्रदर्शन से जजेज को स्टेंडिंग ओवेशन के लिए मजबूर किया। जादूगर गुरु (हर्षिल कुमावत) उदयपुर निवासी श्री गिरधारी लाल कुमावत के पुत्र व अन्तर्राष्ट्रीय जादूगर आंचल कुमावत का छोटे भाई हैं।

यह एक्ट सभी दर्शकों एवं जजेज को बहुत ही पसंद आया। इसके लिए गुरु ने बहुत मेहनत की एवं भारी जोखिम उठाया। इस एक्ट के दौरान स्टेज पर 5 बड़े डिब्बे रखे गए थे, उनमें से एक में स्वयं गुरु बन्द था। गुरु कौन से डिब्बे में बंद है यह किसी को पता नहीं था। पांच अलग-अलग कलर के कार्ड लेकर एक सहायक को स्टेज पर खड़ा किया गया। प्रत्येक कार्ड पर डिब्बे का नम्बर अंकित था। इसके बाद बारी-बारी से जजेज द्वारा चयनित नम्बर वाले 4 डिब्बों पर भारी भरकम वजन गिराया गया। यदि इनमें से किसी भी डिब्बे में गुरु होता तो उसका क्या होता आप अनुमान लगा सकते हैं? जब गुरु आखिरी डिब्बे में से सकुशल बाहर निकला तो जजेज की अटकी सांसों में जान आई। सभी ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ गुरु को स्टेंडिंग ओवेशन दिया। उल्लेखनीय है कि जादूगर गुरु वर्षों से अपनी बहन आंचल के कार्यक्रमों में साउंड, लाईट, स्टेज सहित कई जिम्मेदारियाँ सम्भालते आ रहे हैं। पहली बार अपनी मेहनत से राष्ट्रीय चैनल पर प्रसारित टैलेंट शो में सफलतापूर्वक हैरतअंगेज कारनामा दिखाकर दर्शकों की वाहवाही लूटी है।

यदि आप किसी कारण से यह एपिसोड नहीं देख पाए तो यह कार्यक्रम लिंक https://www.instagram.com/tv/CZUwmwLKEPL/?utm_medium=copy_link पर जाकर देख सकते हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से जादूगर गुरु को इस शानदार प्रस्तुति के लिए अनेकानेक बधाइयाँ एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ। वाह गुरु....वाह!

कन्हैया लाल ईठारा द्वारा लिखित लघु पुस्तिका 'पीड़ा' का विमोचन

कुमावत पंचायत पुलां, उदयपुर के तत्वाधान में पुलां पंचायत के श्री कन्हैया लाल ईठारा द्वारा लिखित लघु पुस्तिक 'पीड़ा' का विमोचन कुमावत भवन, पुलां पर पांच खेड़े के पंचायत पदाधिकारी /प्रतिनिधि सर्वश्री कन्हैयालाल नाहर, किशन बातरा, पुरुषोत्तम उदीवाल, रमेश भदानिया, अनूप टाँक एव पाँचखेड़ा संस्थान के महामन्त्री श्याम सुंदर माननीया द्वारा किया गया ।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रभु श्रीराम के दीप प्रज्वलन एवं पधारे सभी अतिथियों के स्वागत अभिनन्दन के साथ हुआ। श्री कन्हैया लाल ईठारा ने अपनी पुस्तिका पीड़ा को लिखने की प्रेरणाओं को विस्तार से अवगत कराया।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में पधारे हुए गणमान्य समाजबंधुओं ने पुस्तक 'पीड़ा' की सराहना कर एकमत से लेखक द्वारा लिखे अपने भावों को वास्तविक जीवन मे अमल में लाने के विचार रखे। न्यायालयों में अपने समाज के जो परिवाद चल रहे है इस पर विस्तारपूर्वक कड़े शब्दों में कहा कि समाज स्तर पर ही इन विवादों को निपटाया जाए तो कई घर बर्बाद होने व लाखों रुपए की बर्बादी पर लगाम लगाई जा सकती है।

सभी पंचायत प्रतिनिधियों ने एकमत से कहा कि वे प्रयास करेंगे कि सभी पंचायतों में आपसी सामंजस्य से सटीक निर्णय लेकर ऐसे बढ़ते विवादों को रोकेंगे।

अंत मे पुलां पँचायत के पदाधिकारी दया शंकर रावड़िया ने पधारे अथितियों का आभार एव धन्यवाद व्यक्त करते सभी को भोजन के लिये आमंत्रित किया। मंच का संचालन श्री अविनाश बातरा द्वारा किया गया।

केदार नारायण कुमावत पदोन्नत

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (श्रम एवं रोजगार मत्रांलय भारत सरकार) ने केदार नारायण कुमावत (भौरोदिया) को अनुभाग पर्यवेक्षक से लेखाधिकारी के पद पर पदोन्नत किया है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्री केदार नारायण कुमावत को पदोन्नत होने पर बधाई।

मुकेश कुमावत, बोराज को इस वर्ष भी LIC से प्रशस्ति पत्र

भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) के अभिकर्ता श्री मुकेश कुमावत, बोराज को 26 जनवरी 2022 को LIC सांभर लेक के ब्रांच मैनेजर श्री सी. एल. गहलोत जी व ABM श्री सुरेन्द्र कुमार जी द्वारा उत्कृष्ट अभिकर्ता सेवा गोल्ड मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इन्हें 15 अगस्त 2021 (आजादी के अमृत महोत्सव) पर भी ONE DAY WONDER STAR के खिताब के साथ गोल्ड मैडल से सम्मानित किया गया था। LIC में श्रेष्ठ प्रर्दशन करने में अहम भूमिका निभाने में CLIA श्री खेमराज जी कुमावत का योगदान अति महत्वपूर्ण रहा। श्री मुकेश कुमावत युवा लेखक व ब्लॉगर है तथा आपके अनेक लेख 'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित हुए, जो समाजजनों द्वारा सराहे गए है।

जादूगर आंचल की ख्याति अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंची

अमेरिका के प्रतिष्ठित टीवी चैनल CW पर जादू का ओलम्पिक कहे जाने वाले Penn & Teller Fool Us शो के आठवें सीजन में जादूगर आंचल ने प्रस्तुति देकर प्रथम भारतीय महिला जादूगर होने का कीर्तिमान स्थापित किया है। इस कार्यक्रम में देश-विदेश के हजारों जादूगर ऑडिशन देते हैं जिनमें केवल 52 मैजिशियन का ही चयन होता है।

इसके साथ ही अमेरिका से प्रकाशित विश्व स्तरीय मैगजीन '**वेनिस**' के 90वें अंक

में कवर पेज तथा इसके आठ पेजों पर जादूगर आंचल की सफलता की कहानी प्रकाशित हुई है। आंचल ने 5 वर्ष की उम्र से स्टेज शो करना प्रारम्भ कर दिया तथा 23 वर्ष तक लगतार 12500 स्टेज शो करके कीर्तिमान हासिल किया है। ऐसा करके लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्डस में नाम दर्ज कराने वाली यह पहली महिला जादूगर है। इस कहानी को विश्व स्तर के जादूगरों के लिए प्रेरणादायक एवं असाधारण बताया गया है।

आंचल मनोरंजन के साथ-साथ नशा मुक्ति, स्वच्छता, डिप्रेशन तथा पढ़ाई जैसे विषयों पर संदेश देती रहती हैं।

सुरूचि सतसंगी ने पीएचडी की

दयालबाग शिक्षण संस्था (डीम्ड युनिवर्सिटी) आगरा द्वारा सुरूचि सतसंगी को Merger and Acquisition : a pre and post performance analysis of selected company विषय पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत करने पर पीएचडी की डिग्री प्रदान की है।

'**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की और से डा. सुरूचि सतसंगी को पीएचडी करने पर बधाई।

बाल किशन कुमावत को पीएचडी उपाधि

राजस्थान विश्व विधालय ने श्री बाल किशन कुमावत को '**राजस्थान में क्रांतिकारी आंदोलन का एतिहासिक विवेचन**' विषय पर शोध के लिए PHD की उपाधि दी है। श्री बाल किशन कुमावत ने डॉ. नरेन्द्र कुमार शर्मा के निर्देशन में शोध कार्य किया है।

'**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से डॉ. बाल किशन कुमावत को PHD की डिग्री मिलने पर हार्दिक बधाई।

दहेज लेने से किया इंकार

1. मुम्बई के व्यवसायी नावां निवासी नाथूराम के पुत्र तुलसीराम की शादी कुचामन के जगदीश प्रसाद के यहाँ हुई। इसमें दुल्हन के परिजनों ने बाटका व दहेज की राशि देनी चाही तो दुल्हे के पिता नाथूराम ने बाटका व दहेज राशि लौटा दी, शगुन में केवल 1 रूपया व नारियल लेकर विवाह की रस्म पूरी की तथा दुल्हन को विदा करा लाये। उन्होंने कहा कि एक पिता पुत्री का पालन पोषण करके कन्यादान करता है जो पुण्य का काम है, हमारे लिए तो वधू ही दहेज है।

राजोरा परिवार के इस निर्णय का वहाँ उपस्थित पूर्व विधायक हरिशचन्द्र कुमावत, राजकुमार फौजी, बाबूलाल दुबलिया तथा उपस्थित गणमान्य लोगों ने राजोरा परिवार के इस निर्णय की तारीफ की।

2. इसी तरह कुचामन शहर के पवन कुमावत बारात लेकर वधू रुकमणी के घर पहुंचे। दुल्हन के पिता नहीं होने के कारण काका राजूराम व मनोहर लाल ने हैसियत अनुसार दहेज देना चाहा लेकिन दुल्हे के दादा ईश्वर राम घोड़ेला व पिता भागीरथमल ने दहेज लेने से इनकार कर दिया तथा शगुन के तौर पर 1 रुपया व नारियल ही स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि 'कन्या ही सबसे बड़ा धन है हमें अपनी बेटियों को अच्छी तरह शिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाना चाहिए।'

लोग अब जागरूक हो रहे हैं तथा दहेज जैसी कुप्रथा को समाप्त करने की दिशा में समाज बढ़ रहा है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका बिना दहेज शादी करने के कदम की तहेदिल से प्रशंसा करती है।

साँवेर में 10 जोड़ो का सामुहिक विवाह समारोह सफलता पूर्वक सम्पन्न

मध्यप्रदेश में कुमावत समाज की राजधानी के रूप में पहचाने जाने वाले साँवेर में 5 फरवरी को बसन्त पंचमी के पावन अवसर पर क्षत्रिय मेवाड़ा कुमावत व श्री कृष्ण मंदिर समिति के द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सामुहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें 10 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे।

इस आयोजन को सफल बनाने में कुमावत समाज के वरिष्ठजनों व युवाओं का विशेष योगदान रहा। विवाह समारोह में नव-दम्पतियो को आशीर्वाद देने के लिए मालवा के प्रसिद्ध कथावाचक श्री अर्जुन जी गौतम विशेष रूप उपस्थित थे।

- नेमीचंद कारवाल

रेवास देवड़ा में सामुहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न

5 फरवरी को बसंत पंचमी के दिन मन्दसौर जिले के गाँव रेवास देवड़ा में क्षत्रिय मेवाड़ा कुमावत समाज संगठन द्वारा नि:शुल्क सामुहिक विवाह सम्मेलन में चारभुजानाथ जी के साथ तुलसी विवाह एवं 17 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। रेवास देवड़ा के कुमावत समाज द्वारा सामुहिक विवाह सम्मेलन के कार्यक्रम को सम्पन्न कराया गया।

इसमें मन्दसौर विधायक यशपालसिंह सिसोदिया, भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बंसीलाल गुर्जर, भाजपा जिला अध्यक्ष नानालाल अटोलिया, जिला महामंत्री गणपत सिंह आंजना, भाजपा जिला उपाध्यक्ष शिवराज सिंह राणा, डॉ. भानुप्रताप सिंह सिसोदिया, पवन हिरिया कुमावत, पूर्व अध्यक्ष राधेश्याम कुमावत, गोपाल कुमावत अमलावद, कन्हैयालाल पटेल सम्मिलित हुए। सभी अतिथियों ने कन्यादान में अपना सहयोग दिया। सामुहिक विवाह समिति द्वारा पूरे दिन चाय, अल्पाहार एव भोजन की व्यवस्था की। नि:शुल्क चिकित्सा सेवा भी उपलब्ध थी। पधारे सभी समाजजनों ने सहयोग कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

3 मई को साँवेर में सामुहिक विवाह

मध्यप्रदेश में कुमावत समाज की राजधानी के रूप में पहचाने जाने वाले साँवेर में क्षत्रिय मेवाड़ा कुमावत समाज व श्री राममंदिर समिति, केशरीपुरा, साँवेर द्वारा अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर 3 मई 2022 को आदर्श सामुहिक विवाह का आयोजन किया जा रहा है। जिसके लिए पंजीयन शुल्क वर-वधू पक्ष प्रत्येक से रु. 15,501 निर्धारित किया गया है। श्रीराम मंदिर समिति के अध्यक्ष श्री राजकुमार जी बोरा व उपाध्यक्ष श्री सुनील जी ओस्तवाल ने जानकारी देते हुए बताया पंजीयन की अंतिम तिथि 10 अप्रैल, 2022 रविवार है।

- नेमीचंद कारवाल

1 रु. तथा नारियल में होगा विवाह

टोंक-सवाई माधोपुर के श्री कुमावत क्षत्रिय विकास समिति लोकसभा क्षेत्र ग्रामीण के समाजजनों की एक बैठक गत दिनों सुभाषपुरा महाराज के मंदिर में संपन्न हुई। इसमें समाज के गणमान्य लोगों ने भाग लेकर निर्णय लिया कि सामूहिक विवाह में केवल रु. 1 व नारियल ही लिया जाएगा। इससे पूर्व समाज का एक परिचय सम्मेलन तथा प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। जिलाध्यक्ष कमलेश कुमावत ने सभी समाजबंधुओं से आग्रह किया कि इस आयोजन में वे अधिक से अधिक सहयोग कर सफल बनाने में मदद करें। बैठक में समाज के गणमान्य लोगों में सर्वश्री सत्यनारायण, भंवर, रामफूल, विनोद, गोलू कुमावत, जगदीश मदन, रामफूल धमोनिया, कुंभा सेना अध्यक्ष जोगराज सिंह इत्यादि ने भाग लिया।

4 मार्च को भंदे के बालाजी में सामुहिक विवाह

कुमावत समाज सामुहिक विवाह समिति, बन्धे बालाजी की बैठक श्री पन्नालाल सिरस्वा की अध्यक्षता में हुई, इसमें 18वें सामुहिक विवाह की तैयारियों पर चर्चा करके कमेटियाँ बनाई गई। इस सम्मेलन में 31 जोडों का विवाह कराया जाना बताया गया। बैठक में लादूराम बडीवाल को सर्वसम्मति से संयोजक बनाया गया। बैठक में सर्व श्री भींवाराम दम्बीवाल (कोषाध्यक्ष), सीताराम (संरक्षक), बाबूलाल, भंवरलाल (महामंत्री), गजानन्द नागा, तेजूराम ईयाणा, गौरीशंकर, रामस्वरूप, नन्द किशोर, लक्ष्मीनारायण आदि ने भाग लिया।

10 अप्रेल, 2022 को बगरू में सामुहिक विवाह

क्षत्रिय कुमावत समाज सेवा, समिति बगरू की बैठक रामस्वरूप कारगवाल की अध्यक्षता में हुई, जिसमें समाज के गणमान्य लोग सम्मिलित हुए। बैठक में 10.04.2022 को सामुहिक विवाह सम्मेलन आयोजित करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। इस अवसर पर 7 जोडों के विवाह के लिये दस्तावेज भी प्राप्त हुए।

3 मई को ब्यावर में सामुहिक विवाह

श्री कुमावत पंचायत सभा ब्यावर तथा नवयुवक मण्डल एवं महिला मण्डल ब्यावर के तत्वावधान में 3 मई, 2022 आखातीज को ब्यावर में सामुहिक विवाह का आयोजन किया जा रहा है। सामुहिक विवाह समिति के अध्यक्ष विष्णु प्रसाद जायलवाल, महामंत्री नन्द किशोर जलान्धरा तथा कोषाध्यक्ष नरेन्द्र आर्य हैं।

राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति समिति, जयपुर ने बढ़ाया उत्साह, प्रतिभावान खिलाड़ियों का किया सम्मान

राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवाशक्ति समिति, जयपुर में गणतंत्र दिवस के अवसर पर समाज के प्रतिभावान खिलाड़ियों, समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम जिलाध्यक्ष पंकज सिरोहिया की अध्यक्षता में किया गया, मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष नवरतन जी मोरवाल एवं विशिष्ट अतिथि जिला प्रभारी संजीव कुमावत थे। राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति समिति, जयपुर के मंत्री शंकर लाल भूरोदिया ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के बच्चों में खेल के प्रति जागरूकता लाना था। कार्यक्रम में जिला व राज्य स्तर पर खेलों में पदक प्राप्त 28 खिलाड़ियों जिन्होंने समाज का नाम रोशन किया को सम्मानित किया गया। हंसराज कुमावत जिन्होंने अदम्य साहस से नदी डूबती हुई एक युवती जान बचाई थी, का भी सम्मान किया गया।

जिलाध्यक्ष पंकज सिरोहिया ने कहा कि उन्हें सभी को सम्मानित करके मुझे बड़ी प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है, आप सदैव सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर समाज का ही नहीं, देश का नाम पूरे विश्व में गौरवान्वित करें। समिति के खेल मंत्री पवन कुमावत ने प्रशिक्षक के महत्व को प्रतिपादित करते हुए कहा कि खिलाड़ियों के प्रदर्शन से ही प्रशिक्षकों की भूमिका को भी प्रशंसा मिलती है। कार्यक्रम में **'कुमावत इंडिया'** मासिक पत्रिका वितरित की गई, जिसमें संकलित गुणवत्तापूर्ण सामग्री की सभी ने प्रशंसा की।

कार्यक्रम में जिला महामंत्री हरीश कुमावत, जिला संरक्षक राधामोहन कुमावत, वरिष्ठ उपाध्यक्ष किशनलाल धुंधारिया, मंत्री शंकर लाल भूरोदिया, खेल मंत्री पवन कुमावत, वरिष्ठ विधि सलाहकार एडवोकेट राकेश कुमावत, संगठन मंत्री राजेंद्र कुमावत, आईटी संयोजक अभिषेक घोडेला, प्रमोद कुमावत, जिला कार्यकारणी सदस्य जगदीश कुमावत, हीरालाल कुमावत, 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के सह संपादक जयसिंह गुडीवाल एवं व्यवस्थापक मंडल सदस्य खेमचंद खड़गटा, सुखराम कुमावत जनसेवक, राजस्थानी फिल्मों के निर्माता-निर्देशक चिंरजी कुमावत व अनेक समाजबंधु मौजूद रहे।

हेरीटेज ग्राम जाहोता की बदलती तस्वीर के साथ टीम चेतन धुंधारिया

राजकीय बालिका विद्यालय, जाहोता को दिया हैरिटेज लुक

'टीम चेतन धुंधारिया' द्वारा राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जाहोता के भवन को रंग-रोंगन करवाकर हैरिटेज लुक दिया गया है। 'टीम चेतन धुंधारिया' ने सरकारी स्कूलों की धारणा बदलने का काम किया है। **जितना खूबसूरत गांव उतना ही खूबसूरत विद्यालय।** यह विद्यालय लोगों को सरकारी विद्यालयों के प्रति विश्वास और भरोसा दिलाता है कि सरकारी विद्यालय भी किसी से कम नहीं हैं। दीवारों पर प्रेरणादायक संदेश लिखने के अलावा ज्ञानवर्धक चित्र भी बनवाये गये हैं। 'टीम चेतन धुंधारिया' के संस्थापक चेतन कुमावत ने बताया कि वे सरकारी स्कूल को भी निजी स्कूल की भांति बनाना चाहते हैं। स्कूलों के बच्चों के प्रति समर्पण भाव के चलते इस काम का बीड़ा उठाने की ठानी। **'ना रूके थे ना रूकेंगे, काम किया है काम करेंगे।'**

इस अवसर पर जाहोता के युवा, ऊर्जावान और कार्य के प्रति समर्पित सरपंच श्याम प्रताप सिंह राठौड़ ने टीम के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि मुझे खुशी है कि टीम द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों को विकास के लिए चुना, जहां भामाशाहों की अधिक आवश्यकता रहती है। उनकी ताकत पूरी टीम चेतन धुंधारिया है, जो इनके साथ सदैव कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहती है। मुश्किल से ही कोई दिन ऐसा होता होगा कि इनका कोई कार्यक्रम पटल पर नहीं आये। कार्यक्रम में अंत में विद्यालय परिवार की ओर से स्कूल की प्रिन्सीपल ने टीम का आभार व्यक्त किया गया और कहा कि भविष्य में भी 'टीम चेतन धुंधारिया' का सहयोग मिलता रहेगा। इस अवसर पर 'टीम चेतन धुंधारिया ' के जयसिंह गुडीवाल, खेमचंद खड़गटा, राकेश कुमावत एडवोकेट, जितेन्द्र सिंह, ओमप्रकाश, अशोक कुमावत, गुरूदयाल कुमावत, महेन्द्र कुमावत, विद्यालय स्टाफ व अनेक ग्रामवासी उपस्थित थे।

किसानों की रोल मॉडल 70 साल की निरक्षर 'साइंटिस्ट' भगवती देवी

पृष्ठ 6 से आगे...

सबसे पहले इस तरकीब को उन्होंने गेहूँ की फसल में आजमाकर देखा तो बेहद कारगर साबित हुई।

सफेदा अपने खेतों में लगाइए : दीमक किसी भी मौसम, नमी, सूखा, गर्मी, सर्दी या किसी भी परिस्थिति में लग जाती है। इससे फसलें बर्बाद हो जाती हैं। मगर, सफेदे की लकड़ी के उपयोग से किसान के हर साल हजारों रुपए बचा सकते हैं। इससे न तो प्रदूषण होता है न उर्वरकता कम होती है। साथ ही सफेदा खरीदने की भी जरूरत नहीं है। अपने खेत में यूकेलिप्टस के एक-दो पेड़ लगाये जा सकते है। सफेदे की ये लकड़ियाँ ही दीमक को आकर्षित करेगी।

दीमक भी केंचुए की तरह जमीन के लिए कारगर : 3 फीट सफेदे की लकड़ी गेहूँ की दो कतारों के बीच इस तरह जमीन में गाड़ें कि उसका आधा हिस्सा जमीन में रहे। इससे दीमक सफेदे की लकड़ी चूसने में लगी रहेगी तथा फसल में दीमक नहीं लगेगी। सफेदे की लकड़ी के नीचे जहाँ दीमक होती है उसके पास में मिट्टी में उपज के दाने ज्यादा अच्छे और चमकदार निकलते है। अर्थात दीमक भी केंचुए की तरह ही मिट्टी को उपजाऊ बनाती हैं।

इसे राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय ने जांचा-परखा तथा मान्यता दी : जब कृषि वैज्ञानिकों को पता चली तो हकीकत जानने के लिए राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (बीकानेर) के कृषि अनुसंधान निदेशक डॉ. एम. पी. साहू, श्रीमती भगवती देवी के खेतों पर गए। उन्होंने हकीकत जानी। उन्होंने भगवती देवी का प्रयोग देखा तथा उसके बाद डॉ साहू के निर्देशन में इस तकनीक का प्रयोग शेखावटी कृषि अनुसंधान केंद्र पर किया गया। जब वहां भी प्रयोग सफल रहा तो इसे मान्यता दी गई।

पति का साथ मिला : श्री सुंडाराम वर्मा को कृषि में उनके नए-नए प्रयोगों के लिए 'पद्मश्री' से नवाजा गया है। उनके द्वारा एक लीटर पानी से एक पौधा उगाने की तकनीक को देश-दुनिया में पहचान मिली है। इस तकनीक को देश के बाकी किसानों तक पहुंचाने की कोशिश में जुटे है।

खेतों को दीमक रहित बनाना : श्रीमती भगवती देवी ने पति श्री सुंडाराम वर्मा के साथ मिलकर पूरे क्षेत्र में एक तरह की नई हरित क्रांति का आगाज किया है, जो खेतों को दीमक रहित बनाती है और जैविक खेती को बढ़ावा देती है।

ज्यादा कीटनाशक के इस्तेमाल से जमीन हो जाती है जहरीली : श्रीमती भगवती देवी ने बताया कि किसी भी फसल पर कीटों का प्रकोप होता है तो एक हेक्टेयर में 1 लीटर कीटनाशक का छिड़काव किया जाता है। वहीं, दीमक का प्रकोप होता है तब 1 हेक्टेयर खेत में साल भर में 10 लीटर कीटनाशक का छिड़काव करना पड़ता है। इतने कीटनाशक से जमीन खराब और जहरीली हो जाती है। वहीं, सफेदे की लकड़ी का इस्तेमाल सस्ता और सुरक्षित है।

बारिश का पानी बर्बाद न हो, इसके लिए भी खोज निकाला नया तरीका : श्रीमती भगवती देवी ने राजस्थान में पानी की किल्लत को देखते हुए वॉटर हॉर्वेस्टिंग भी अनूठे तरीके से की है। उन्होंने बरसात के पानी की बर्बादी को रोकने के लिए खेतों में पॉलीथिन बिछा दी, जिससे होकर पानी एक बड़े गड्ढे में ठहर जाता है तथा वर्षपर्यन्त सिंचाई के काम आता है।

'खेतों के वैज्ञानिक' सम्मान से नवाजा : उन्हें इस काम के लिए 2011 में **तत्कालीन केंद्रीय कृषि मंत्री शरद पवार** ने 'खेतों के वैज्ञानिक' सम्मान से नवाजा था। इसके अलावा **राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर** और **मौलाना आजाद यूनिवर्सिटी, जोधपुर** की ओर से भी 'खेतों के वैज्ञानिक' सम्मान मिला है। दिल्ली में **'महिंद्रा समृद्धि इंडिया एग्री अवार्ड्स'** में 'कृषि प्रेरणा सम्मान' (उत्तरी ग्रामीण क्षेत्र) के लिए भी उन्हे वर्ष 2013 में 50,000 रुपए का पुरस्कार मिल चुका है।

श्रीमती भगवती देवी का कहना है कि वे बिना कीटनाशक के दीमक को काबू करना चाहती थी। उन्होंने अपने इस अनुभव को दूसरी फसलों पर भी आजमाया। उन्हें इस बात की भी खुशी है कि अनाज के अलावा दलहनी एवं तिलहनी फसलों और सब्जियों में भी इस प्रयोग को किया और हर बार सफलता मिली। इस सफलता से उनका हौसला कुछ नया करने की ओर बढ़ता गया।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका श्रीमती भगवती देवी तथा पद्मश्री श्री सुंडाराम जी वर्मा के कृषि क्षेत्र में योगदान की प्रशंसा करते हुए इस दम्पत्ति के दीर्घायु व स्वस्थ रहने की कामना करती है। यह दम्पत्ति समाज की शान व थाती है।

होली एक ऐसा त्यौहार है जिसे हमें खुशी के रंगों से खेलना चाहिए। यह प्यार करने, क्षमा करने और खुशियां बांटने का त्यौहार है। उम्मीद करते हैं आप यह होली सूखे रंगों के साथ खेलेंगे और दुनिया को पानी के संकट से बचायेंगे। आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ।

जयसिंह गुडीवाल
भाजपा अध्यक्ष, वार्ड 141, सह-संपादक
कुमावत इंडिया पत्रिका, मो. : 9461343432

बसंत ऋतु की बहार, चली पिचकारी उड़ा है गुलाल, रंग बरसे हरे लाल, मुबारक आपको होली का त्योहार। आपके जीवन में सदैव खुशियों का भंडार हो। आप सभी को रंगों के पावन पर्व होली की शुभकामनाएँ।

श्रवण कुमावत
भाजपा अध्यक्ष, वार्ड 135
मो. : 9828044107

हमेशा मीठी रहे आपकी बोली, खुशियों से भर जाये आपकी झोली, आप सबको मेरी तरफ से हैप्पी होली। होली के खूबसुरत रंगों की तरह आपको रंगों व उमंगो भरी शुभकामनाएँ।

धनराज कुमावत
शहर उपाध्यक्ष, जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी
मो. 9314023817

प्यार के रंग में खिले अपनों का राग रंग, आपके जीवन में खुशियों की फुहार। आनंद से भरा हो आपका ये होली का त्योहर। इस होली मैं संकल्प करता हूँ कि जल संरक्षण के लिए सूखी होली खेलूंगा तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करूंगा।

पंकज सिरोहिया
विश्व हिन्दू महासंघ, जयपुर
मो. 9828788990

होली का हर रंग मुबारक। मुबारक हो आपको होली का त्योहार। ईश्वर आपके जीवन को खुशी के रंग से, दोस्ती के रंग से, प्यार के रंग से, और अन्य सभी रंगो से रंग दे। होली की शुभकामनाएं।

शिवा कुमावत
सिंगर, कम्पोजर व लीरिक्स राइटर
मो. 7073364775

प्यार के रंगों से भरो पिचकारी, स्नेह के रंगों से रंग दो दुनिया सारी, ये रंग न जाने न कोई जात न बोली, सबको हो मुबारक ये हैप्पी होली।

मुकेश कुमावत
दिव्य कुंज शॉपिंग मॉल,
34-ए, रेलवे क्रोसिंग
टोंक फाटक, जयपुर मो. : 7073364775

राधा का रंग और कान्हा की पिचकारी प्यार के रंग से रंग दो दुनिया सारी, यह रंग ना जाने कोई जात ना कोई बोली, मुबारक हो आपको रंगों भरी होली।

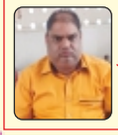

संदीप कुमावत (कुण्डलवाल)
कार्यकारिणी सदस्य कुमावत क्षत्रिय
विकास समिति बरकत नगर, ए-2ए नटराज नगर,
इमली फाटक, जयपुर मो. 9351214004

होली के पावन अवसर पर बीते साल के दुख कटु अनुभव भुला दें। नई खुशी और नई उमंग के साथ रंगो का त्योहार मना लो। होली के इस पावन पर हम शपथ लें कि हम पानी को बर्बाद नहीं करेंगे ना ही करने देंगे। क्योंकि जल है तो कल है।

मनीष कुमावत (दौराया)
कार्यालय सहायक, इग्नू, सम्पादक मण्डल सदस्य
कुमावत इंडिया पत्रिका, जयपुर मो. 9660702083

प्यार के रंग देने वाले होली के त्योहार की आप सभी को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ। हर्ष, उमंग उल्लास के साथ त्योहार का आनंद लें। गुलाल व हर्बल रंगो से होली का त्योहार मनायें। पानी की बचत कर जल संरक्षण में अपना योगदान दें।

राकेश कुमावत एडवोकेट
वरिष्ठ विधि सलाहकार राजस्थान क्षत्रिय कुमावत
युवाशक्ति समिति, जयपुर मो. 9829152561

रंगों की वर्षा, गुलाल की फुहार, सूरज की किरणें, खुशियों की बौछार, चंदन की खुशबू, अपनों का प्यार, मुबारक हो आपको होली का त्योहार। धनश्याम फोटो लेमिनेशन एंड फ्रेमिंग की ओर से होली की शुभकामनाएँ।

सूरज नारायण कुमावत
धनश्याम फोटो लेमिनेशन एंड फेमिंग
मो. 9829952939

होली में आपके सब दुख-दर्द जल जाये, रंगपंचमी के सारे रंग आपके जीवन को खुशियों से भर जायें। आपको होली की बधाई व शुभकामनाएँ।

रवीना तोंदवाल,
सामाजिक कार्यकर्ता, बूंदी
मो. 7976264408

होली का गुलाल हो, रंगो की बहार हो, गुंजिया की मिठास हो, एक बात खास हो, सबके दिलों में प्यार हो, ऐसा होली का त्योहार हो। आपको और आपके परिवार को होली की शुभकामनाएँ।

गिरीश कुमावत
एफ 223 रामनगर विस्तार, सोडाला, जयपुर
मो. : 9314519216

होली का गुलाल हो, रंगो की बहार हो, गुंजिया की मिठास हो, सबके दिलों में प्यार हो, ऐसा होली का त्योहार हो। आपको और आपके परिवार को होली की शुभकामनाएँ। भगवान से आपकी अच्छी सेहत, विकास और उपलब्धियों की कामना करता हूँ।

खेमचंद खड़गटा
व्यवस्थापक मंडल सदस्य,
कुमावत इंडिया पत्रिका मो. : 9829140629

होली का रंग कुछ दिनों में धुल जाएगा, दोस्ती और प्यार का रंग नहीं धुल पाएगा, यही तो असली रंग है जिदंगी का, जितना रंगोगे उतना ही गहरा होता जाएगा। आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ।

पंकज सिरोहिया
जिलाध्यक्ष राजस्थान क्षत्रिय कुमावत
युवाशक्ति समिति, जयपुर
मो. 9828788990

सभी रंगों का रास है होली मन का उल्लास है होली जीवन में खुशियां भर देती है बस इसलिए खास है होली। ईश्वर आपके जीवन को खुशी के रंग से भर दे। आप सभी को होली की शुभकामनाएं।

शंकर कुमावत
वंदना फ्लावर्स, ओम श्री श्याम फ्लावर्स,
प्रथम फ्लावर्स, मो. 9928860105, 8209804520

आओ मिलकर अपने अंदर की नकारात्मक विचारों का दहन करें और अपने जीवन में रंगों के साथ सकारात्मक विचारों का संचरण करें। आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं

गजेन्द्र कुमावत
विवेक चिल्ड्रन सी.सैकण्डरी स्कूल,
366-369, गोवर्धन नगर, टोल टैक्स,
टोंक रोड, सांगानेर, जयपुर

प्यार के रंग से भरी पिचकारी, स्नेह के रंगों से रंग दो दुनिया सारी, यह रंग न जाने न कोई जात न बोली, सबको हो मुबाकर यह हैप्पी होली।

महेश कुमावत
सिद्धि विनायक एसोसिएट्स
सी/एफ/एस-2, प्रथम तल, नेहरू पैलेस,
टोंक रोड, जयपुर मो. 9829014756

खुशियों से हो ना कोई दूरी, रहे न कोई ख्वाहिश अधूरी, रंगों से भरे इस मौसम में, रंगीन हो आपकी दुनिया पूरी। रंगों के इस त्योहार को हर्ष और उल्लास के साथ मनाएं। इस होली पर आपके जीवन में खुशियों और प्यार का रंग घुल जाये ऐसी ईश्वर से कामना है।

सतीश कुमावत
गणपति आर्ट एन फ्रेम्स, आदर्श बस्ती
टोंक फाटक, जयपुर मो. : 8058157147

आपको और आपके परिवार को होली के पावन अवसर पर मेरे और मेरे परिवार की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं। होली के रंगों की तरह आपकी जिंदगी भी खुशियों के रंगों से भरी हो। यही मेरी कामना है।

दिनेश कुमार (गैदर)
सहायक लेखाधिकारी-II
26, आदर्श बस्ती, टोंक फाटक, जयपुर

सदा हंसते रहो, मुस्कराते रहो, जैसे हंसते हैं फूल, दुनियां के सारे गम भुला दो और, चारों तरफ फैलाओं खुशियों के गीत, मुबारक हो आपको होली की रीत। हर कदम पर मिलें खुशियाँ, ना हो दु:खों से कभी सामना, जिंदगी के हर मुकाम में सफल हो आप, मेरी ओर से होली की यही है शुभकामना।

लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल
कोषाध्यक्ष
कुमावत इंडिया पत्रिका, जयपुर मो. 9549656063

श्रद्धा, सद्भावना, मस्ती और भाईचारे का हैं त्यौहार, रंगो से जोड़े मोहब्बत के तार, हर तरफ हो रंगो की बहार, मुबारक हो होली का त्यौहार। भगवान आपको जिंदगी के रंग, खुशियों के रंग, दोस्ती के रंग, प्यागर के रंग, और वो सारे रंग जो आप अपनी जिंदगी में लाना चाहते हैं आपको प्रदान करें।

चंद्र प्रकाश अजमेरा
व्यवस्थापक मण्डल सदस्य
कुमावत इंडिया पत्रिका, जयपुर मो. 9928088815

रंग के त्योहार में सभी रंगों की हो भरमार, ढेर सारी खुशियों से भरा हो आपका संसार, यही दुआ है हमारी भगवान से हर बार। होली सारे गम भूल जाने का त्यौहार है इसलिए अपने मन से सभी गिले शिकवे निकालकर प्यार के रंगों से अपनी दुनिया को भर लीजिये।

लाल चंद धुंधारिया
व्यवस्थापक मण्डल सदस्य
कुमावत इंडिया पत्रिका, जयपुर मो. 9413335998

रंगों से भरा यह जीवन तुम्हारा, खुशियां बरसे तुम्हारे अंगना। इन्द्रधनुष सी खुशियां आये, आओ मिलकर मनाएं होली। आपको होली की हार्दिक शुभकामनाएं। भगवान से कामना है कि प्रेम, उल्लास और आनंद को समर्पित यह त्योहार आप सभी का जीवन सुख, शांति और समृद्धि के रंगों से सराबोर करें।

महेश चंद जलांधरा
हनी प्लास्टिक एण्ड गिफ्ट
मो. : 9509344684, 9509671542

रंगों से भी रंगीन जिंदगी हमारी रंगीली रहे, ये बंदगी हमारी कभी न बिगड़े, ये प्यार की रंगोली ऐ मेरे यार तुझे मुबारक हो ये होली होली की शुभकामनाएं।

प्रेमनारायण कुमावत (घोड़ेला)
नारायण एनक्लेव, मुकुन्दपुरा रोड, बिन्दायका,
जयपुर मो. : 9309448137

इस होली हम सब मिलकर यह प्रण लें कि जल, जो प्रकृति का दिया हुआ अनमोल उपहार है उसको हम व्यर्थ नहीं करेंगे ना ही करने देंगे। इस होली हम सभी अबीर गुलाल से ही होली खेलेंगे। क्योंकि जल है तो कल है। रंगों के इस पावन पर्व की आपको शुभकामनाएं।

सुरेन्द्र कुमार नागा
वरिष्ठ समाज सेवी, बापून नगर,
जयपुर मो. : 9414994006

भगवान करे हर साल चांद बनकर आए, दिन उजाला शान बनके आए, कभी ना दूर हो आपके चहरे से हँसी, ये होली का त्योहार ऐसा मेहमान बनकर आए

पुष्पा खड़गटा
वरिष्ठ सदस्या, कुमावत इंडिया महिला क्लब
खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर

पिचकारी की धार, गुलाल की बौछार, अपनों का प्यार, यही है यारों होली का त्योहार। हैप्पी होली!

मनोज सिरसवा
ट्रस्टी, कुमावत प्रगति ट्रस्ट, जयपुर
मो. : 9414043127

वसंत ऋतु की बहार, चली पिचकारी उड़ा है गुलाल, रंग बरसे नीले हरे लाल, मुबारक हो आपको होली का त्यौहार।

रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट
राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर बैंच
निवास : भट्टों की गली, आकेड़ा चौड़,
वाया जाहोता, जयपुर मो. : 9887440666

राधा का रंग और कान्हा की पिचकारी, प्यार के रंग से रंग दो दुनिया सारी, यह रंग ना जाने कोई जात ना कोई बोली, मुबारक हो आपको रंगों भरी होली।

हेमचन्द खड़गटा, अध्यक्ष
कुमावत (खड़गटा-धुंधारिया) जन मंगल
सेवा ट्रस्ट, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036

समरसता का भाव जगाती, होली चलो मनाये हम।
रंगों के इस पावन पर्व पर आप सभी को होली की बहुत-बहुत बधाई व शुभकामना।

नीरज कुमावत (धुंधारिया)
संगीत विशारद, विशिष्ठ संरक्षक सदस्य
कुमावत इंडिया पत्रिका मो. : 6377087334

रास रचाए गोकुल में कन्हैया होली में बन जाए रंग रसिया
सजाएं रंगों का साज हर एक द्वारे आज भी गोपियां रंग लिए
कान्हा की राह निहारें
होली की मंगल **शुभकामनाएं**

भारती-रमेश तोंदवाल

सचिव, कुमावत प्रगति ट्रस्ट, जयपुर
60, जय जवान कॉलोनी, टोंक रोड जयपुर
मो. 9414810584

प्रेम और सौहार्द की भावनाओं को विविध रंगों में
अभिव्यक्त करने वाले महापर्व **होली**
पर सभी देशवासियों को **हार्दिक शुभकामनाएं**

राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

संपादक कुमावत इंडिया मासिक पत्रिका
मंत्री कुमावत क्षत्रीय विकास समिति बरकत नगर, टोंक फाटक
मो. 9414074376

होली की हार्दिक शुभकामनाएं

प्यारेलाल आसलीवाल
अध्यक्ष

सूर्यवंश आसलीवाल
उपाध्यक्ष

किरण वर्मा
कोषाध्यक्ष

कार्तिकेय आसलीवाल
सचिव

जयराज कुमावत
सदस्य

शेखर कुमावत
संरक्षक

टीम आगाज फिटनेस ऑर्गेनाइजेशन

7, ओझाजी का बाग, गांधी नगर मोड, जयपुर-302015

स्वामिनी सेवा संस्था

की ओर से होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

अशोक कुमावत
अध्यक्ष
9352070394

गोविन्द वर्मा
मंत्री
9001905456

किशन कुमावत
कोषाध्यक्ष
7793091328

गुरुदयाल वर्मा
प्रचार मंत्री
9314246781

महेन्द्र कुमावत
सहायक मंत्री
946007186

आओ मिलकर जरूरतमंदों की सेवा करें।

Swamini Sewa Sanstha
A/C No. 6113247509, IFSC Code-KKBK0003457
Kotak Mahindra Bank

31, कुमावत कॉलोनी, ईएसआई हॉस्पिटल के सामने, कुमावत स्कूल के पीछे, सोडाला, जयपुर

होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

SPARSH HOME APPLIANCES

(Touch of Smart Life)

■ सीसी टीवी कैमरा रिपेयर मेंटिनेन्स ■ राजस्थान के सभी क्षेत्रों में सेवाएं उपलब्ध हैं। ■ सीसी टीवी कैमरा लगवाएं, घटना व कारणों की जानकारी अपने मोबाइल पर देखें।
■ आरओ रिपेयर सेल्स सर्विस ■ एक्वागार्ड, कैन्ट, लीव प्योर आदि की घर बैठे सुविधा उपलब्ध

शंकर लाल कुमावत (भुरोदिया)

■ जिला मंत्री जयपुर-राजथान क्षत्रिय युवा शक्ति समिति (रजि.)
■ सह सचिव कुमावत प्रजापत समाज संगठन समिति, रायपुर, छत्तीसगढ़
■ SE Tech Engineer CP Plus
■ Water Trade Assocation of Rajasthan

Vikas Nagar, 200 Ft. Bypass, Near Dev Narayan Temple,
Kalwar Road, Jhotwara, Jaipur (Raj.) -302012
9406027779, 7976239718, 9549999548

कुमावत इंडिया पत्रिका के सभी पाठकों एवं समाजजनों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं

रमेश कुमावत (गैदर)

मो. 9414554322
अध्यक्ष, कुमावत प्रगति ट्रस्ट
अध्यक्ष, कुमावत क्षत्रिय विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर

संत रविदास जी की जयंती पर विशेष

संत शिरोमणि रविदास जी का जन्म माघ पूर्णिमा को 1376 ईस्वी को उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर के गोबर्धनपुर गांव में हुआ था। उस दिन रविवार था इस कारण इनका नाम रविदास रखा गया।

रविदाजी को पंजाब में रविदास तथा उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश और राजस्थान में उन्हें रैदास के नाम से जाना जाता है। गुजरात और महाराष्ट्र के लोग 'रोहिदास' और बंगाल के लोग उन्हें 'रुइदास' कहते हैं। कई पुरानी पांडुलिपियों में उन्हें रायादास, रेदास, रेमदास और रौदास के नाम से भी जाना जाता है।

रविदासजी चर्मकार कुल से होने के कारण वे जूते बनाते थे। ऐसा करने में उन्हें बहुत खुशी मिलती थी और वे पूरी लगन तथा परिश्रम से अपना कार्य करते थे।

उनका जन्म ऐसे समय में हुआ जब उत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों में मुगलों का शासन था चारों ओर अत्याचार, गरीबी, भ्रष्टाचार व अशिक्षा का बोलबाला था। उस समय मुस्लिम शासकों द्वारा प्रयास किया जाता था कि अधिकांश हिन्दुओं को मुस्लिम बनाया जाए। संत रविदास जी की प्रसिद्धि निरन्तर बढ़ रही थी जिसके चलते उनके लाखों भक्त थे, जिनमें हर जाति के लोग शामिल थे। यह सब देखकर एक मुस्लिम 'सदना पीर' उनको मुसलमान बनाने आया था। उसका सोचना था कि यदि रविदास मुसलमान बन जाते हैं तो उनके लाखों भक्त भी मुस्लिम हो जाएंगे। ऐसा सोचकर उन पर हर प्रकार से दबाव बनाया, उनको लालच दिखाया तथा डराया व धमकाया भी गया। लेकिन संत रविदास तो हिन्दू समाज के संत थे उन्हें किसी मुस्लिम से मतलब नहीं था, उन्होंने साफ साफ मना कर दिया और कहा

कुरान बिहश्त न चाहिए, मुझको हूर हजार
वेद धर्म त्यागूं नहीं, जो गल चले कटार।

संत रविदासजी बहुत दयालु और दानवीर थे। संत रविदासजी ने अपने दोहों व पदों के माध्यम से समाज में जातिगत भेदभाव को दूर कर सामाजिक एकता पर बल दिया और हिन्दु संस्कृति के जीवन मूल्यों की नींव रखी। रविदासजी ने सीधे-सीधे लिखा कि

'रैदास जन्म के कारने होत न कोई नीच,
नर कूं नीच कर डारि है, ओछे करम की नीच।'

अर्थात् कोई व्यक्ति जन्म से कभी नीच नहीं होता। कोई व्यक्ति सिर्फ अपने कर्म से नीच होता है। जो व्यक्ति गलत काम करता है वो नीच होता है। संत रविदास ने अपनी कविताओं के लिए जनसाधारण की ब्रजभाषा का प्रयोग किया इसमें अवधी, राजस्थानी, खड़ी बोली और रेख्ता शब्दों का भी मिश्रण किया है। संत रविदासजी के विचारों की महिमा के कारण उनके लिखे चालीस पद, सिख धर्म के पवित्र धर्मग्रंथ 'गुरुग्रंथ साहब' में भी सम्मिलित किए गए है।

स्वामी रामानंदाचार्य हिन्दू समाज के उच्च कोटि के महान संत थे। ब्राह्मण कुल में उनका जन्म हुआ था। संत रविदास उनके शिष्य थे। संत रविदास तो संत कबीर के समकालीन व उनके गुरूभाई माने जाते हैं। स्वयं कबीरदास जी ने **'संतन में रविदास'** कहकर इन्हें मान्यता दी है। राजस्थान के मेड़ता की बेटी और मेवाड़ की बहुरानी व कृष्णभक्त मीराबाई उनकी शिष्या थीं। यह भी कहा जाता है कि चित्तौड़ के राणा सांगा की पत्नी झाली रानी उनकी शिष्या बनीं थीं। **चित्तौड़ में संत रविदास की छतरी बनी हुई है।** वाराणसी में 1540 ईस्वी में उन्होंने देह छोड़ दी थी।

वाराणसी में संत रविदास का भव्य मंदिर और मठ है। जहां सभी जाति के लोग दर्शन करने के लिए आते हैं। संत रामानंदजी महाराज ने तथाकथित ऊंच-नीच की कुरीति को तिलांजलि देकर संत रविदासजी महाराज को दीक्षा देकर अपना शिष्य बनाया और हिन्दू समाज में ऊंच-नीच की बुराई को दूर करने का उपदेश दिया। इसी परम्परा को आगे बढ़ाते हुए **संत रविदासजी महाराज ने भी मेवाड़ घराने की बहुरानी मीराबाई को दीक्षित कर हिन्दू समाज को ऊंच-नीच से ऊपर उठाकर गुणपूजा को प्रतिष्ठित करने का संदेश दिया।** संत रविदास जी महाराज भक्ति आन्दोलन के दैदीप्यमान नक्षत्र थे। हिन्दू समाज उनका चिरकाल तक ऋणी रहेगा।

16 फरवरी 2022 को सन्त रविदास की जयंती पर वाराणसी स्थित उनके मंदिर में अनेक राजनेता माथा टेकने पहुँचे उनमें पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी एवं राहुल गांधी, आप पार्टी नेता संजय सिंह, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सम्मिलित थे। खैर ये तो अभी चुनावों में लाभ लेने गए तथा उनके समर्थकों से वोट की अपेक्षा रखते है। पर संत रविदास के महत्व तो हम सभी जानते है। हमें उनकी शिक्षाओं पर चलने का प्रयत्न करना चाहिए।

डॉ. आशा का मेडीकल ऑफिसर में चयन

डॉ आशा कुमावत पुत्री वैध श्री नानू राम जेठीवाल निवासी किशनगढ़ रेनवाल जिला जयपुर का मेडिकल ऑफिसर के पद पर चयन होने पर हार्दिक बधाई।

18वीं सदी से मनायी जाती है अलौकिक होली

ब्रज से अलबेली है बनगांव की होली, हजारों लोग खेलते हैं ''घुमौर होली''

डिजीटल प्लेटफार्म जिसने आज समाज के साथ-साथ समय को भी अपने आगोश में ले लिया है। जिससे आधुनिकता की आंधी तो आई, लेकिन सभ्यता और संस्कृति रूपी वास्तविकता की नींव डगमगा सी गई है। ऐसे आधुनिकता की कालनेमि में बिहार की सबसे बड़ी आबादी वाले बनगांव में आज भी होली, सभ्यता और संस्कृति के प्रतिमान के रूप में 18वीं सदी से लेकर आज तक निरंतर चलती चली आ रही है।

जिला मुख्यालय से 8 किमी. पश्चिम कहरा प्रखंड के बनगांव में मनाई जाने वाली **'घुमौर होली'** का स्थान सबसे ऊपर है। बनगांव में मनाई जाने वाली घुमौर होली की अपनी एक अलग पहचान है। इसमें लोग एक-दूसरे के कंधे पर सवार होकर, जोर-आजमाइश तथा उठा-पटक कर होली मनाते हैं। ऐसी मान्यता है कि यह परम्परा भगवान श्रीकृष्ण के समय से चली आ रही है।

यहाँ मनाई जाने वाली घुमौर होली के त्योहार को ''**फगुआ**'' भी कहा जाता है। यहाँ होली फाल्गुन माह के अंतिम दिन मनाये जाने की परम्परा है। बनगांव में अलसुबह से ही होली का जश्न शुरू हो जाता है। संत लक्ष्मीनाथ गोसाई द्वारा शुरू की गयी बनगांव की होली ब्रज की **'लट्ठमार होली'** की तरह प्रसिद्ध है।

बाबाजी ने तय किया था स्वरूप : बिहार की सबसे बड़ी आबादी वाले व 3 पंचायत के अधीन बसे बनगांव की होली देश में एक अलग ही सांस्कृतिक पहचान रखती है। यहाँ की 'घुमौर होली' इसी की एक कड़ी है। मान्यता है कि इसकी परम्परा भगवान श्रीकृष्ण के काल से चली आ रही है। वर्तमान में खेली जाने वाली होली का स्वरूप 18वीं सदी में यहाँ के प्रसिद्ध संत लक्ष्मीनाथ गोसाईं (बाबाजी) ने तय किया था।

विहंगम होता है होली का दृश्य : यहाँ की होली का दृश्य अद्भुत होता है। गांव के युवा दो भागों में बंटकर खुले बदन गांव में घूमकर होली खेलते हैं। गांव के निर्धारित पांच स्थलों (बंगलों) पर होली खेलने के बाद वे जैर (रैला) की शक्ल में भगवती स्थान पहुँचते हैं। वहां ये लोग ऊंची मानव श्रृंखला बनाकर होली के गीत गाते हैं।

भगवती स्थान के पास इमारतों पर रंग-बिरंगे पानी के फव्वारे लगाए जाते हैं। इनके नीचे लोग एक-दूसरे के कंधों पर चढ़कर मानव श्रृंखला बनाकर अपनी ताकत की आजमाइश करते हैं। होली बनगांव में बलजोरी का भी प्रतीक है। जगह-जगह गाँव के घरों के झरोखों से महिलाएं रंग उड़ेलती है और बच्चें आनंद लेते हैं। गाँव में होली के रैला को देखने विभिन्न क्षेत्रों से लोग पहुंचते हैं। बनगांव की होली का असली हुड़दंग दोपहर बाद टोलियों में जमा भीड़ माता भगवती के मंदिर पर जमा होने के बाद परवान पर होता है। खासतौर पर पुरुष हुड़दंगी होली खेलते हैं।

सियासत नहीं भाईचारे का पर्व : बनगांव की होली में हिन्दू-मुस्लिम का भेद नहीं होता है। होली के दिन कोई छोटा-बड़ा नहीं होता। बनगांव की होली को खेलने वालों के अलावा देखने वालों की संख्या भी हजारों में होती है। सांसद, विधायक ही नहीं आईएएस व बड़े व्यवसायी भी बनगांव की होली में शामिल होते हैं। इस दिन गाँववालों में बहुत उत्साह देखने को मिलता है।

होली पर जल संरक्षण का दिया जा रहा है संदेश

लगातार गिरते जलस्तर से पर्यावरण पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। इसको लेकर टीम चेतन धुंधारिया ने एक मुहिम होली के त्योहार से प्रारम्भ हो रही है। होली पर हम लाखों लीटर पानी बेवजह ही जाया कर देते हैं।

टीम के प्रवक्ता जयसिंह गुडीवाल ने बताया कि पानी में रंग मिलाकर लोगों को सराबोर करने से जहां लाखों लीटर स्वच्छ पानी बर्बाद होता है। इसी के मद्देनजर टीम द्वारा समाजजनों एवं **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका के विज्ञापनदाताओं को अरारोट से बनी सुंगधित गुलाल दी जा रही है तथा लोगों को प्रेरित किया जा रहा है कि इस बार बिना पानी के सूखी होली खेलें। संस्थापक चेतन कुमावत ने कहा कि 'जल ही जीवन है। रंगों के त्योहार होली पर बड़े पैमाने पर होने वाले जल के दुरुपयोग को रोकने के लिए हमें गंभीर होना होगा।' सोचिए प्राकृति का अनुपम उपहार अमृत के समान जल नहीं होता तो क्या होता। हमें जल के बचाव पर विशेष ध्यान देना होगा। इसके लिए शीघ्र ही एक जनजागरूकता अभियान भी चलाया जायेगा।

रंगो का त्योहार होली

हिंदुओं का प्रमुख त्योहार होली, हर वर्ष फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। होली के अवसर पर वातावरण अत्यंत मनोहर होता है, शरद ऋतु का प्रभाव उस समय तक फीका पड़ जाता है, कष्टदायक ठंडी हवा के स्थान पर बासंती शीतोष्ण वायु के चलने से वातावरण में एक उमंग का संचार होने लगता है। इस समय खेतों में फसलों के पकने का समय होता है,पकी हुई फसल होलिकोत्सव के आनंद को दुगुना कर देती है, कृषक भी आनंद से झूम उठते हैं। आम्र मंजरियाँ, फूलों से लदे पेड़-पौधे चतुर्दिक एक सुगंध फैलाते हैं। मिठाई की दुकानों पर विभिन्न स्वादों की मिठाइयाँ सभी को आकर्षित करती हैं।

होली के एक माह पहले इसकी तैयारियाँ शुरू हो जाती हैं। चौराहों पर होली का डांडा रोपा जाता है। पर्व के पहले दिन चौराहों पर लकड़ियों और गोबर से बने उपलो से होली बनायी जाती है। सायंकाल सभी लोग ज्योतिषियों द्वारा निकाले मुहूर्त पर इकठ्ठे होते है तथा होली का दहन किया जाता है। इसकी आग में नई फसल की गेहूँ की बालियों और चने के होले को भी भूना जाता है। होली की अग्नि लोग घर लेकर जाते है तथा उससे चूल्हा जलाने की प्राचीन परंपरा है। गाँवों में लोग देर रात तक होली के गीत गाते हैं तथा नाचते गाते हैं।

दूसरे दिन धूलण्डी होती हैं, क्या अमीर, क्या गरीब सभी अबीर, गुलाल व रंगों से होली खेलते हैं। सारा वातावरण रंगों से ओतप्रोत हो उठता है। पहले लोग कई प्रकार फूलों से रंग तैयार करते थे। युवक टोलियाँ बना कर ढोल, मजीरों व नगाड़ों आदि के साथ सड़कों पर निकल पड़ते हैं। हर तरफ लोग मस्ती में झूमते व एक दूसरे पर अबीर-गुलाल लगाते दिखाई देते हैं। 'होली है, होली है.....' से आसमान गुंजायमान हो जाता है। बच्चों का उत्साह तो देखते ही बनता है। पर्वतीय स्थानों पर तो लोग सप्ताह भर पहले से होली के रंग और मौज-मस्ती में डूबे रहते हैं। सायंकाल अनेक स्थानों पर होली-मिलन समारोह का आयोजन होता है जिसमें हास्य कविताएँ, लतीफे व अन्य रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन होता है। इसके अतिरिक्त सायंकाल सभी लोग नए वस्त्र धारण कर एक-दूसरे के घर मिलने जाते हैं।

कुछ लोग इस अवसर का लाभ उठाकर वातावरण में अश्लीलता फैलाते मदिरापान करते है या फिर रंगों के स्थान पर कीचड़, कालिख व त्वचा को हानि पहुँचाने वाले खतरनाक रसायनों का प्रयोग करते हैं। हमें ऐसे तत्वों का मिल-जुलकर विरोध करना चाहिए।

हमें प्राचीन परंपरा तथा शुभ परंपराओं को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। इस पर्व की मूल परंपरा की पवित्रता का पूर्ण निर्वाह हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। हमें होली के बहाने एक नवीन उत्साह से भरकर स्वयं को समाज के उत्थान के प्रति समर्पित कर दें।

जब शीत ऋतु की विदाई होती है और ग्रीष्म ऋतु का आरंभ होता है, तो कीटाणुओं को प्रसार करने के लिए अनुकूल वातावरण होता है। ऐसे में रंगों का प्रयोग रोग फैलाने वाले कीटाणुओं के प्रभाव को कम करने में सहायक होता है। दूसरी ओर रंग लगने पर शरीर की सफाई अच्छे से हो पाती है जो स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है।

होली का महत्व : होली से जुड़ी प्राचीन कहानियाँ अथवा कथाओं के माध्यम से लोगों को सत्य के पथ पर चलते रहने का एक उत्कृष्ट संदेश लोगों को प्राप्त होता है। यह त्यौहार बताता है कि सत्य कभी पराजित नहीं हो सकता।

होली पर अपनी परेशानियों को भूल कर लोग त्यौहार का पूरा आनंद लेते हैं। विज्ञान के अनुसार यह बात तो स्पष्ट है कि होली का त्यौहार, व्यस्तता से उत्पन्न मानसिक तनाव को अपनों के बीच उमंग व उल्लास से दूर कर सकता है।

शिक्षा : होली का यह पावन त्योहार अधर्म पर धर्म की तथा असत्य पर सत्य की विजय का संदेश देता है। होली का त्योहार मौज-मस्ती व खुशियों का त्योहार तथा हर्षोल्लास परस्पर मिलन व एकता का प्रतीक है। इस पर्व के अवसर पर लोग आपसी वैमनस्य को भुलाकर मित्र बन जाते हैं। यह त्योहार अमीर और गरीब के भेद को कम कर वातावरण में प्रेम की ज्योति प्रज्वलित करता है।

- रमेश गैदर

कुमावत दम्पति ने की अनूठी पहल

श्री चेनाराम मारवाल व प्रिंसिपल श्रीमती मधु मारवाल नोबल इंग्लिश एंड साइंस डेवलपमेंट स्कूल, कुचामनसिटी ने अपने पुत्र के जन्मदिन पर आर्थिक रूप से कमजोर बालिका को नर्सरी क्लास से 8वीं क्लास तक नि:शुल्क पढ़ाने की जिम्मेदारी ली है। इस वर्ष राधिका सेन, पिछले वर्ष कंचन कुमावत व मानवी कुमावत की सम्पूर्ण फीस व बस किराया स्वयं वहन कर रहे है। इसका उद्देश्य बालिका शिक्षा के प्रति लोगो को जागरूक करना है।

350 साल पुरानी अद्भुद परम्परा

चिताओं की राख से खेलते हैं मणिकर्णिका घाट पर होली

होली पर रंग नहीं, उड़ती है 'चिता की राख'

होली एक ऐसा त्योहार है, जिसे कई अनोखे तरीकों से मनाया जाता है। हर राज्य, समुदाय की अपनी खास परम्परा है जो इस त्योहार को ओर भी खास बनाती है। देवी-देवताओं की भूमि पर तो होली ऐसे अनोखे तरीके से मनाई जाती है, कि आप भी जानकर हैरान रह जाएंगे। कृष्ण जन्मभूमि मथुरा में बरसाने की लड्डू और लठमार होली से तो आप सभी वाकिफ है। वहीं, शिव नगरी काशी में लोग चिता की राख से होली खेलते हैं। यह 350 साल पुरानी परम्परा है। इस अनोखी परंपरा को देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते है। दुनियाँ का इकलौता शहर जहाँ अबीर, गुलाल के अलावा धधकती चिताओं के बीच चिता भस्म की होली खेली जाती है। घाट से लेकर गलियों तक होली के हुड़दंग का हर रंग निराला होता है।

मणिकर्णिका घाट पर खेली जाती है चिताओं की राख से होली : वाराणसी का मणिकर्णिका घाट, जहाँ आम तौर पर मातमी माहौल पसरा रहता है, क्योंकि यहाँ पर 24 घंटे चिताएं जलाई जाती हैं। यहाँ शिव भक्त इन्हीं चिताओं की राख से न सिर्फ होली खेलते हैं, बल्कि थोड़ी देर के लिए जन्म और मृत्यु के जीवन-चक्र से बाहर निकलकर सब कुछ भूल जाते हैं। मणिकर्णिका घाट पर चारों ओर हर-हर महादेव के नारे लगाते हुए लोग खूब मस्ती करते हैं।

भोलेनाथ भक्तों के साथ खेलते हैं होली : वाराणसी में होली की शुरुआत वैसे तो बाबा विश्वनाथ के गौणा होने के बाद होती है, लेकिन श्मशान घाट पर शंकर के गणों के द्वारा चिता की राख से होली खेलने के बाद ही आम लोग रंगों से होली खेलना शुरू करते हैं। ऐसी मान्यता है कि भोलेनाथ अपने गणों के साथ होली खेलने श्मशान घाट पर आते हैं। ऐसा दृश्य शायद ही कहीं देखने को मिलता होगा, जहाँ एक तरफ चिता जल रही हो और दूसरी तरफ हर हर महादेव के नारे के साथ होली खेली जा रही हो।

जीवन और मृत्यु को दिया जाता है सामान्य महत्व : आज की चिता भस्म की होली उसी राग-द्वेष, जीवन-मरण और सुख-दु:ख से ऊपर उठ कर मनाने का पर्व है और परम्परा भी। काशीवासियों ने इसे न सिर्फ जीवित रखा हुआ है, बल्कि उसे विधिवत सम्पन्न भी करते हैं। यहाँ पर नजारा बेहद विचित्र होता है। एक तरफ चिताएं जल रही हैं, तो दूसरी तरफ मस्ती में लोग उसी की राख से होली खेल रहे हैं। इस तरह का अद्भुत नजारा शायद ही दुनिया में देखने को मिले, जहां जितना महत्व जीवन को दिया जाता है, उतना ही मृत्यु को भी प्रदान किया जाता है।

खुशी और गम का अनूठा संगम : माना जाता है कि होली गीत पर गणों का नृत्य भी भगवान भोलेनाथ को खूब भाता है। भगवान शिव के गण अपनी झोली में चिता भस्म की राख भरकर जमकर होली खेलकर तृप्त होते हैं। काशी की होली में राग और विराग, खुशी और गम दोनों का एक साथ समावेश नजर आता है।

मणिकर्णिका घाट का महत्व : मणिकर्णिका घाट वाराणसी का वह महाशमशान है, जहां 24 घंटे चिताएं जलती रहती हैं। ऐसी मान्यता है कि इस श्मशान घाट पर जिसकी भी चिता जलाई जाती है, उसे भगवान भोलेनाथ ताड़क मंत्र देकर सीधे मोक्ष प्रदान कर देते हैं। यही कारण है कि वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ सहित झारखंड से भी लोग दाह संस्कार के लिए आते हैं।

होली मोक्ष को पाने का त्योहार है : वाराणसी की यह होली जीवन-चक्र से छुटकारा पाने या मोक्ष पाने का नाम है। काशी के इस अद्भुत उत्सव में साफ दिखता है कि शंख, घंटा घड़ियाल, डमरू और हर-हर महादेव की गूंज के साथ बनारस की होली न सिर्फ अद्भुत है, बल्कि कल्पना से भी परे है।

बहरहाल, होली के त्योहार का महत्व कुछ अलहदा ही है और हम सभी वर्षभर इसका बेसब्री से इंतजार करते हैं। हृदय और तन-मन को झकझौर देने वाला यह त्योहार है ही ऐसा। होली का आयोजन किसी भी तरह करें यह ध्यान रखना जरूरी है कि वह दूसरे की इच्छा के विरूद्ध और उसे शारीरिक या मानसिक पीड़ा पहुंचाने वाला न हो। होली के इस पावन पर्व पर हम संकल्प लें कि हम होली के प्रेम, मित्रता और आपसी सद्भाव वाले मूल स्वरूप को आंखों से ओझल नहीं होनें देंगे सबके साथ प्रेम और मित्रता का व्यवहार करेंगें। इस मौके पर आपस में रूठे हुए व्यक्तियों को मिलाने का प्रत्यन करेंगे। सबसे ज्यादा जरूरी बात **''लगातार पानी के स्तर को गिरता देखते हुए पानी का दुरूपयोग नहीं करेंगें गुलाल और सूखे रंगों से होली खेलेगें और पेयजल का सही तरीके से इस्तेमाल करेगें।** आइए, हम सब होली के इस त्योहार को मनाकर अपने जीवन में रंग भरें और जीवन का भरपूर आनन्द लें। **आप सभी को होली की शुभकामनाएँ।''**

जयसिंह गुडीवाल, सह सम्पादक
मो. 9461343432

प्राचीनकाल से ही होली मनाने के साक्ष्य

कई प्राचीन मंदिर, तोरण इत्यादि धरोहर के शिलाओं पर ऐसी चित्रकारिता देखी गई है, जो होली के महत्व को दर्शाती है।

जैमिनी के पूर्व मीमांसा-सूत्र और कथा गार्हय-सूत्र.. नारद पुराण और भविष्य पुराण जैसे पुराणों की प्राचीन हस्तलिपियों और ग्रंथों में भी इस पर्व का उल्लेख मिलता है। विंध्य क्षेत्र के रामगढ़ स्थान पर स्थित ईसा से 300 वर्ष पुराने एक अभिलेख में भी इसका उल्लेख किया गया है। संस्कृत साहित्य में वसन्त ऋतु और वसन्तोत्सव अनेक कवियों के प्रिय विषय रहे हैं।

सुप्रसिद्ध मुस्लिम पर्यटक अलबरूनी ने भी अपने ऐतिहासिक यात्रा संस्मरण में होलिकोत्सव का वर्णन किया है। भारत के अनेक मुस्लिम कवियों ने अपनी रचनाओं में इस बात का उल्लेख किया है कि होलिकोत्सव केवल हिंदू ही नहीं मुसलमान भी मनाते हैं। सबसे प्रामाणिक इतिहास की तस्वीरें हैं मुगल काल की और इस काल में होली के किस्से उत्सुकता जगाने वाले हैं। **अकबर** का जोधाबाई के साथ तथा **जहाँगीर** का नूरजहाँ के साथ होली खेलने का वर्णन मिलता है। **अलवर संग्रहालय के एक चित्र** में जहाँगीर को होली खेलते हुए दिखाया गया है।

शाहजहाँ के जमाने में होली को **ईद-ए-गुलाबी या आब-ए-पाशी** (रंगों की बौछार) कहा जाता था। अंतिम मुगल **बादशाह बहादुर शाह जफर** के बारे में प्रसिद्ध है कि होली पर उनके मंत्री उन्हें रंग लगाने जाया करते थे। मध्ययुगीन हिन्दी साहित्य में दर्शित कृष्ण की लीलाओं में भी होली का विस्तृत वर्णन मिलता है।

इसके अतिरिक्त प्राचीन चित्रों, भित्तिचित्रों और मंदिरों की दीवारों पर इस उत्सव के चित्र मिलते हैं। **विजयनगर** की राजधानी हम्पी के 16वीं शताब्दी के एक चित्रफलक पर होली का आनंददायक चित्र उकेरा गया है। इस चित्र में राजकुमारों और राजकुमारियों को दासियों सहित रंग और पिचकारी के साथ राज दम्पत्ति को होली के रंग में रंगते हुए दिखाया गया है। 16वीं शताब्दी की **अहमदनगर** की एक चित्र आकृति का विषय वसंत रागिनी ही है। इस चित्र में राजपरिवार के एक दंपत्ति को बगीचे में झूला झूलते हुए दिखाया गया है। साथ में अनेक सेविकाएँ नृत्य-गीत व रंग खेलने में व्यस्त हैं। वे एक दूसरे पर पिचकारियों से रंग डाल रहे हैं। मध्यकालीन भारतीय मंदिरों के भित्तिचित्रों और आकृतियों में होली के सजीव चित्र देखे जा सकते हैं। उदाहरण के लिए इसमें 17वीं शताब्दी की मेवाड़ की एक कलाकृति में **महाराणा को अपने दरबारियों के साथ चित्रित किया गया है।** शासक कुछ लोगों को उपहार दे रहे हैं, नृत्यांगना नृत्य कर रही हैं और इस सबके मध्य रंग का एक कुंड रखा हुआ है। बूंदी के एक लघुचित्र में राजा को हाथीदाँत के सिंहासन पर बैठा दिखाया गया है जिसके गालों पर महिलाओं को गुलाल मलते हुए दिखाया गया है।

इस बार होली में.....

आ जला दें रंज सब तकरार होली में।
छोड़ दे शिकवे सभी, इसबार होली में।

रंग भर लाया वफ़ा के, नेह पिचकारी,
देख अब करना नहीं इनकार होली में।

लाज के पहरे गिरा, दीवार नफरत की,
प्यार से कर प्यार का इजहार होली में।

वो पुरानी चाहतें, अहले-वफा फिर हो,
आज हम कर लें नया इकरार होली में।

आरजू बस प्रेम की गूँजे सदा 'चंचल',
दोड़ के लग जा गले, इकबार होली में।

- **प्रहलाद कुमावत**
'चंचल'
ग्राम जाहोता, जयपुर

खाटू की होली

बरसाने की गूजरी बंधी प्रेम की डोर,
नंदगाँव को लाडलो या मोहन चितचोर।
या मोहन चितचोर कि आके माखन खाजा,
बुला रही बृजनार कि आके रंग लगा जा।
कह हेमू कविराय श्याम के सभी दिवाने,
होली की रुत फाग चलो मन बृज बरसाने।

खाटू के दरबार में होली को हुडदंग,
नाचे प्यारे भक्त गण रँगे श्याम के रंग।
रँगे श्याम के रंग लगो है लख्खी मेला,
फागुन उड़े गुलाल कि ये मस्ती की बेला।
कह हेमू कविराय हाथ में ध्वज कू डाटू,
मन में उठे हिलोर रँगीलो लागे खाटू।

-कवि
हेमन्त कुमावत
जयपुर राजस्थान

महादेव मंदिर खोराणियान, इंदिरा बाजार

प्राचीन समय से महादेव मंदिर खोराणियान, इंदिरा बाजार, जयपुर कुमावत समाज की शक्ति की आराधना का बड़ा केंद्र रहा है। इंदिरा बाजार ही नहीं, पूरे जयपुर शहर से श्रद्धालु यहां दर्शन करने आते रहे हैं। पिछले दिनों स्मार्ट सिटी के वाहन ने टक्कर मारकर इसे तोड़ दिया इससे कुमावत समाज तथा इंदिरा बाजार के व्यवसायियों में रोष व्याप्त हो गया। मंदिर का पुनर्निर्माण करा दिया गया है तथा यहां पुन: श्रद्धालु दर्शनार्थ आने लगे हैं।

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, जोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोरिया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल टोंक फाटक, जयपुर
वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर

वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/131 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/132 श्री विमल कुमावत, जयपुर

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

21 जनवरी श्री गणेश नारायण लोहरवाडिया, कुमावतों का मोहल्ला, जयपुर
21 जनवरी श्रीमती फूली देवी धर्मपत्नी स्व. बिरदीचंद होदकास्या, जयपुर
21 जनवरी श्री प्रकाश चंद जी सिरस्वा स्वर्गीय श्री नृसिंह प्रसाद जी ग्राम पचार, सीकर
24 जनवरी श्री मथुरालाल जी पुत्र श्री प्रताब जी, केलाणा, आमेट, राजसमन्द
26 जनवरी श्री सतीश चन्द कुमावत पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण मोरवाल झोटवाड़ा, जयपुर
26 जनवरी श्री हरिप्रसाद पारमवाल कुमावत कॉलोनी, ब्यावर
28 जनवरी श्रीमती कमला देवी धर्मपत्नी श्री प्रेम सागर होदकास्या, रींगस, सीकर
28 जनवरी श्रीमती ग्यारसी देवी धर्मपत्नी स्व. भैरूलाल अनावड़िया, ब्यावर, अजमेर
29 जनवरी श्रीमती नोरती देवी धर्मपत्नी स्व. श्री रामस्वरूप जी नेमीवाल, रानी, फालना
31 जनवरी श्रीमती गोमती देवी (गोमाबाई) धर्मपत्नी श्री रामप्रसाद भीलंवाल, ब्यावर
31 जनवरी श्रीमती गोपाली देवी धर्मपत्नी श्री रामरतन कुण्डलवाल हरमाडा, जयपुर
31 जनवरी श्री रामकिशोर नीमीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
31 जनवरी श्रीमती गोमती देवी धर्मपत्नी स्व. देबुराम जी कागरवाल, मण्डावरा जयपुर
1 फरवरी श्री ओम प्रकाश जलान्दरा (जयपुर वाले), ब्यावर, अजमेर

1 फरवरी श्री कन्हैयालाल बिंवाल, कलवाड़ा, जयपुर
1 फरवरी श्री रामलाल घोड़ेला, मीना वाला, जयपुर
1 फरवरी श्रीमती रामेश्वरी देवी काम्यां, मण्डावरा, सीकर
2 फरवरी श्रीमती गंगा देवी धर्मपत्नी श्री भूरामल, बबेरवाल, सामोद, जयपुर
2 फरवरी श्री कालूराम जी पुत्र स्व. श्री तेजमल जी विजय नगर रोड, ब्यावर, अजमेर
3 फरवरी श्रीमती गेंदी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री रघुनाथ जी नागा, जोबनेर, जयपुर
4 फरवरी श्री लाल चन्द भौरोदिया कुमावत कॉलोनी, सोडाला, जयपुर
5 फरवरी श्री प्रभूलाल अजमेरा, बाजणी तलाई, सांगानेर, जयपुर
5 फरवरी श्रीमती सेडी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री रामकरण भौरोदिया, अजमेर रोड, जयपुर
5 फरवरी श्री दामोदर लाल जी जहाजपुरिया खेजडों क रास्ता, जयपुर
6 फरवरी श्रीमती सरस्वती देवी धर्मपत्नी स्व. श्री महेश चन्द जी किरोड़ीवाल, जयपुर
8 फरवरी डॉ. राम गोपाल लोहरवाडिया, सुखलिया इन्दौर
9 फरवरी श्री रामशरण जी कुमावत पुत्र श्री दामोदर जी सिंघनवाल, जयपुर
10 फरवरी श्री बोदूराम जी देवतवाल
10 फरवरी श्री जगदीश प्रसाद काम्यां, मण्डावरा, सीकर
11 फरवरी श्री वरुण (वीरू) पुत्र श्री राजेन्द्र जी देवतवाल, सिरसी रोड, जयपुर
12 फरवरी श्री जगदीश प्रसाद कुमावत पुत्र स्व. श्री बक्सा राम जी राजोरा पचार जयपुर

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				सज़्पर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नज़्बर	
शुभम	B.Tech.	suzuki	15.6.94	5'9''	तूंदवाल	घोड़ेला	नीमीवाल	लोरवाड़ी	9413623783	बांसवाड़ा
मनीष	M.A., Bed.	Teacher(private)	5.7.92	5'6''	संदुडिया	ओस्तवाल	बातरा	सिंघनवाल	9079003899	नाथद्वारा
विनोद	(विधुर)	Private 40000	19.8.77	5'8''	खोवाल	किरोड़ीवाल	मारवाल	काज़्बा	8058616882	सीकर
गौरव	M.Com.	Private	15.1.94	5'9''	कारगवाल	भेड़ीवाल	अनावडिया	तांगडा	9667827314	जयपुर
पीयूष	B.Com. RSCIT	Private	28.10.97	5'8''	आसीवाल	खण्डारिया	माखाल	कैकट्या	797621891	जयपुर
रघुवीर	B.Tech.(mech)	Prep forGovt. Dept.	14.4.91	5'10''	अनावडिया	कण्डेरीवाल	सिरस्वा	मियानिया	7742944151	टोंक
प्रशान्त	B.A. (2ndyear)	D. Mart	1.1.97	5'6''	छापोला	तुनगरिया	खोरानिया	सिरस्वा	9982391999	जयपुर
हेमन्त	B.A.	Private Teacher	10.11.97	5'6''	हिरोलिया	सिन्दर	नागोरा	लतीवाल	6375407060	अजमेर
सुनील	M.Com.	Anana Eye Hospital	29.7.91	5'9''	राजोरिया	बबेरीवाल	जलान्दरा	कुदीवाल	8233132392	जयपुर
दीनेश	B.Com.	Private	24.6.87	5'10''	नेनीवाल	पारमवाल	खोवाल	मारोठिया	9694309857	सीकर
राजकुमार	DCA web desig.	Online marketing	1.9.82	5'9''	जलिन्दरा	बारावाल	उज्जीवाल	सिरस्वा	7737718472	जयपुर
अर्जुन	12th	Self shop	12.7.95	5'10''	मरावण्डिया	जलान्दरा	टोंक	लोईचा	9460612340	चिज़ौड़गढ़
मनोज	PGDCA	Comp. Teacher	22.1.88	5'8''	मारोठिया	घोड़ेला	लोरवाल	शीर्षवा	9829028440	जयपुर
रामधन	B.Tech (Mach)	private job	7.11.94	5'8''	खोरानिया	घोड़ेला	तूंदवाल	मारोठिया	9252968481	इंदौर
ज्ञानप्रकाश	विधुर 10वीं	एसी रिपेरिंग	40 वर्ष	5'8''	बागेरिया	सिंघटिया	बारहवाल	घोड़ेला	9468790648	किशनगढ़
विजेन्द्र	BCA	Asst. manager yesbank	30.12.90	5'4''	राहोरिया	घोड़ेला	किरोड़ीवाल	मारोठिया	7878681153	सिलोरा
नितिन	M.A.	Marketing	14.8.90	5'7''	आसोला	जायलवाल	काकड़वाल	नेमीवाल	9214527503	अजमेर
अर्चित	B.Com.(Eng. med.)	Asst. Manager Bank	17.3.92	5'8''	देवतवाल	खोराणिया	घोड़ेला	कैकट्या	9828142731	जयपुर

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				सज़्पर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नज़्बर	
सरोज	BBA, MBA	-	23 वर्ष	5'3''	खोवाल	भाटीवाल	मारोठिया	भोबरिया	8905598988	
अंतिमा	M.A.. BSTC	-	11.10.94	5'3''	राजोरिया	घोडेला	आइथान	देहीवाल	9829931746	नागौर
मिताली	(Divorce) B.A., Bed.	Private Teacher	1.11.91	-	झुंझुनोदिया	जायलवाल	कठूमरा	मारोठिया	9509366644	जयपुर
रविना	M.Com.	Account	21.12.94	5'3''	खनेरिया	कुदाल	माल	कुण्डलवाल	9414450932	अजमेर
विधि	C.S. Executive	online business	12.9.98	-	देवतवाल	वेनावडिया	खटोड	करोडीवाल	9314381123	जयपुर
श्रीया	M.A., Bed.	-	3.10.97	4'11''	मांडीवाल	रेणा	पिलोदिया	सिन्दज	9829611051	अजमेर
भारती	(मांगलिक) B.Sc.	-	19.4.98	5'7''	धुंधारिया	रेणीवाल	देवतवाल	सिरस्वा	9667186739	-
अंकिता	M.A. Draughtman		11.2.92	5'4''	बधानिया	देवतवाल	सिंघाटिया	बग्रेनिया	7014034249	जयपुर
मिनाक्षी	B.Tech(IT)	Assistant in LIC	25.6.93	5'4''	पारमवाल	भोरोदिया	घोड़ेला	कुण्डलवाल	9928491797	अजमेर
निकिता	12th	Hardic Salon	4.3.94	5'0''	बधानिया	देवतवाल	सिंघाटिया	बग्रेलिया	7014034249	जयपुर
करिश्मा	B.Com, LLB,CS	Private	18.3.97	5'1''	जलान्दरा	नागोरी	अनावडिया	खन्नाडे	9977529659	इन्दौर
खुशबू	B.C.A.	Infosys	13.3.91	5'2''	जालवाल	माचीवाल	लाज़्बा	जलान्दरा	9414009343	ज़्यावर
हर्षिता	B.Com., MSc(IT)	HR(Teleprformunce)	11.8.89	5'3''	होदकास्या	भोरोदिया	खोरानिया	सारड़ीवाल	8290026827	जयपुर
आकांक्षा	B.Tech.,CS	soft Engineer(Accenture)	22.4.94	5'0''	मारोठिया	घोड़ेला	करोड़ीवाल	मारवाल	9829158241	जयपुर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम ''कुमावत इंडिया पत्रिका''

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्रीः- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों, जनउपयोगी सूचना आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika @gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें। -सम्पादक

आवश्यक सूचना

पत्रिकाएं नियमित रूप से हर माह की 23 तारीख को जयपुर से निर्धारित डाकघर में भेज दी जाती हैं। यदि किसी सदस्य को एक सप्ताह के अन्दर पत्रिका नहीं मिलती है तो आप अपने पोस्टमैन व पोस्ट मास्टर से शिकायत कर हमें सूचित करें।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

विनम्र निवेदन

हमारे पूर्वज जमीन, जायदाद, सोना, चांदी आदि अमूल्य सम्पत्ति छोड़कर स्वर्ग चले जाते हैं। हम व्यस्तता के कारण उनकी चिरस्मृति बनाये रखने में असमर्थ हो जाते हैं। कुमावत इण्डिया पत्रिका समाज बन्धु 4000 रु. शुल्क जमा कराकर अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी) की पुण्य तिथि फोटो सहित 10 वर्ष तक 1/8 पेज पर मल्टीकलर में प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

-: विशेष निवेदन :-

1. शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।
2. इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में निःशुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

सदस्यता समाप्ति सूचना

3 वर्षीय सदस्यता वाले सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीयनगर**-श्रीचन्द्रप्रकाश अजमेरा मो. 9928088815
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-श्री विशाल कम्प्यूटर्स, बरकत नगर महेश नगर फाटक के पास, जयपुर, मो. 94613-43432
13. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
14. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
15. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
16. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

समाज के प्रतिभावाशाली युवा CA परीक्षा में उत्तीर्ण

हुकमाराम कुमावत (छापोला)
कुचामनसिटी

राजेश कुमावत मुकुंदगढ़
पुत्र श्री लूणचंद जी कुमावत

मुकेश कुमावत दांतारामगढ़
पुत्र श्री जगदीश प्रसाद कुमावत

जितेश कुमावत

पीयूष नागा

डॉ. ललित कुमावत चिकित्सा अधिकारी नियुक्त

डॉक्टर ललित कुमावत की नियुक्ति श्रम विभाग भारत सरकार के चिकित्सालय रामगंजमंडी जिला कोटा में चिकित्सा अधिकारी के पद होने पर **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

सुशील कुमावत जोधपुर से करेंगे MBBS

सुशील कुमावत, देवरिया पंचायत पनोतिया निवासी का चयन नीट 2021 में ओबीसी वर्ग में 190 वीं रेंक से हुआ था। मेडिकल कौंसिल से सुशील का चयन अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर से MBBS के लिए हुआ है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से सुशील कुमावत को हार्दिक बधाई।

पीयूष कुमार को गोल्ड मैडल

श्री पीयूष कुमार पुत्र श्री वीरेंद्र कुमार दादरवाल निवासी नया बास, चुरू ने सरदार पटेल पुलिस सुरक्षा और आपराधिक न्याय विश्व विधालय, जोधपुर से एप्लाइड क्रिमिनोलॉजी एंड पॉलिस स्टडीज में वर्ष 2019-21 बैच में प्रथान स्थान के साथ गोल्ड मैडल प्राप्त किया है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्री पीयूष कुमार को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना।

विशिष्ट संरक्षक

श्री गोपाललाल कुमावत (मारोठिया)

51-ए, शिव कालोनी, न्यू सांगानेर रोड,
श्याम नगर मेट्रो स्टेशन, सोडाला, जयपुर-302019

आप M.Com. (ABST) तक शिक्षित है तथा 32 वर्षों से जयपुर में निजी भवन निर्माण के क्षेत्र में कार्यरत हैं आपकी फर्म स्काइराइड कन्स्ट्रक्शन हैं, आप मृदृ स्वभाव के धनी हैं। अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलायी है। पुत्र सत्यम कुमावत (25 वर्षीय) ने MNIT जयपुर से आर्किटेक्ट किया है एवं पुत्री आंकाक्षा (27 वर्षीय) सीनियर सॉफ्टवेयर इन्जीनियर है। आपके पिता स्व. श्री सुवालाल मारोठिया फुलेरा वाले 50 वर्ष पूर्व जयपुर क्षेत्र में आकर भवन निर्माण ठेकेदारी प्रारम्भ की गई थी। वे ईमानदारी व मेहनत से शीघ्र ही अपनी अच्छी पहचान बनाने में सफल हुऐ तथा वे सामाजिक कार्यो में अग्रणीय रहे। **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका परिवार आपके उज्जवल भविष्य की कामना करती हैं।

विशिष्ट संरक्षक

श्री महेंद्र सिंह तारकसी

पुत्र स्व. श्री रतन लाल तारकसी,
निवासी डी 77-ए, शिवाड़ एरिया
बापू नगर, जयपुर 302015

आप ज्वेलरी का व्यवसाय करते है। आपके छोटे भ्राता श्री विनीत तारकसी हैं। इनकी फर्म तारकसी ज्वेलर्स व रतन लाल एंड संस हैं जो बजाज नगर व बापू नगर, जयपुर में स्थित है। आपके एक विवाहित पुत्र प्रशांत एवं विवाह योग्य पुत्री खुशबू है। आप मृदु स्वभाव के तथा समाज सेवा में अग्रणीय रहते है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

देवों के देव, महादेव का पर्व महाशिवरात्रि

इस वर्ष 1 मार्च को हिन्दुओं का धार्मिक त्यौहार 'महाशिवरात्रि' मनाया जाएगा। यह हिंदू धर्म के प्रमुख देवता अर्थात् शिव जी के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व फाल्गुन मास की कृष्ण की चतुर्दशी को मनाया जाता है। वैसे तो शिवरात्रि प्रत्येक मास में आती है किंतु फाल्गुन में इसका विशेष महत्व होने के कारण इसे महाशिवरात्रि कहा जाता है।

इसे मनाने के पीछे भगवान शिव से जुड़ी कुछ मान्यताएं भी हैं, इस विशेष दिन ब्रह्मा के रूद्र रूप में मध्यरात्रि को भगवान शिव का अवतरण हुआ था, यह भी माना जाता है कि इसी दिन भगवान शिव ने अपना तीसरा नेत्र खोलकर तांडव भी किया था। इसके अतिरिक्त यह भी विश्वास है कि इस दिन शिव-पार्वती का विवाह हुआ था।

माना जाता है कि यह पर्व खासकर भोलेनाथ के भक्तों के लिए उनकी खास आराधना का पर्व है, इस दिन भगवान शिव की पूजा-अर्चना बड़े विधि-विधान के साथ सभी शिवालयों में की जाती है। इनकी पूजा में बिल्वपत्र, आँक, धतूरा, अबीर, गुलाल, बेर, उम्बी आदि अर्पित किया जाता है।

इस दिन शिव के भक्तजन व्रत, उपवास आदि रखकर उन्हें खुश करने का प्रयत्न करते हैं। कहा जाता है कि जाने-अनजाने में की गई शिवपूजा भी भोलेनाथ को भा जाती है और इसी तरह शिव ने एक शिकारी की पूजा को अपनाकर उसे दयालु बना दिया था। अर्थात् कहीं न कहीं यह त्यौहार भी प्रेम, दया, करुणा, अहिंसा व पवित्रता तथा भाईचारे से ओतप्रोत है जो हमें सादगी से भी जीना सिखाता है। भोले को तो सच्चे मन व श्रद्धा से याद करना ही उन्हें भा जाता है। तो आइये हम सब मिलकर इस पर्व को अपनी आत्मा की शुद्धता के रूप में मनाएं और भगवान शिव की तरह अत्यंत सादा व सरल जीवन जीने की राह पर चलें।

- भारती तोंदवाल

राजेश कुमावत उत्तराखंड प्रभारी नियुक्त

श्री राजेश कुमावत को कांग्रेस ने उत्तराखंड प्रभारी व चमोली बद्रीनाथ का समन्वयक बनाया है।

इस नियुक्ति से निमाज सहित पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गयी। श्री राजेश कुमावत ने संगठन के हित में काम करने को कहा तथा इस जिम्मेदारी का अच्छी तरह निर्वहन करने का आश्वासन दिया। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं।

उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के चेयरमैन बनाये गए श्री ईश्वर लाल वर्मा

श्री ईश्वर लाल वर्मा उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के चेयरमैन नियुक्त किए गए हैं। ये 28 फरवरी, 2022 को सेवानिवर्त होंगे। उनकी यह नियुक्ति 1 मार्च, 2022 से प्रभावी होगी। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्री ईश्वरलाल वर्मा को हार्दिक बधाई।

मालवीय नगर समाज भवन, जयपुर

भूमि का पट्टा लिया व पंजीकृत करवाया गया

कुमावत समाज को मालवीय नगर, जयपुर में मिली अतिरिक्त भूमि सहित संशोधित पट्टा व कब्जा, JDA द्वारा कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर के अध्यक्ष रमेश चंद कुमावत (गैदर) को 1 फरवरी, 2022 को सौंपा गया। समिति द्वारा इसका पंजीयन 11 फरवरी, 2022 को उप पंजीयक, सांगानेर, जयपुर के यहां करवा दिया है। हम सभी समाजजनों के लिए यह गौरव की बात है। सभी भामाशाहों, समाजजनों, भवन निर्माण समिति के साथ श्री मुकेश वर्मा (मरोडिया) आदि का हार्दिक आभार। अब यह भूखंड आयातकार हो गया है तथा इसकी सभी सरकारी प्रक्रिया पूरी हो गयी है। अतिरिक्त भूमि के कारण अब इस भवन में सामाजिक कार्यों के लिए अधिक सुविधा रहेगी। इस भवन का निर्माण अन्तिम चरण में है तथा शीघ्र ही यह भवन आप सभी के मांगलिक एवं सामाजिक कार्यों के लिए उपलब्ध होगा।

स्व. 21.02.2015
सातवी पुण्यतिथि
21.02.2022
स्व. श्री रामदयाल जी (फोरमेन)

स्व. 15.12.2003
18वीं पुण्यतिथि
15.12.2021
स्व. श्रीमती विनिता देवी

हम सब परिवारजन सजल नयनों से सहृदय श्रद्धा सुमनांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत :
पुत्र - पुत्रवधु : कैलाश - मंजू भौरोंदिया, 9928769350
शंकर - सीमा भौरोंदिया, 9521826359
पौत्र - पौत्रवधु : मुदित - यामिनी
पौत्र : क्षितिज (सन्नी), पौत्री : हर्षिता पड़पौत्र :शिनोय
पुत्री - दामाद : पुष्पा - हेमचन्द खड़गटा, सावित्री - रामप्रकाश खोराणिया
शकुन्तला - श्याम सुन्दर राजोरिया, सुशीला - सुरेन्द्र कुलचाणियां,
उषा - कुन्दन कण्डेरीवाल, निशा - विजय जालवाल (इन्दौर)

:: प्रतिष्ठान ::
एस.एस. इलेक्ट्रोनिक्स
पुलिस थाने के पास, झोटवाड़ा, जयपुर - 302012
निवास स्थान : 101, बालाजी विहार - 17, निवारू लिंक रोड़, गोविन्दपुरा कालवाड़ रोड़, जयपुर - 302012

स्व. 20.02.2016

षष्ठी पुण्यतिथि
20.02.2022

स्व. श्रीमती धन्नी देवी खोवाल
धर्मपत्नी स्व. श्री कालूराम जी खोवाल

हम सब परिवारजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत :
पुत्र - पुत्रवधु : प्रहलाद - रूक्मणी, राजेन्द्र - मीरा,
राजेन्द्र - शकुन्तला, फर्नीश - कोयल
पुत्री - दामाद : योजन - गोपाल लाल, चन्द्रकला - कैलाश चन्द

ई - 704, लालकोठी स्कीम, जयपुर

स्व. 22.02.2013
9वीं पुण्यतिथि
22.02.2022
स्व. श्री गुलाबचन्द कारगवाल

स्व. 10.11.2008
14वीं पुण्यतिथि
10.11.2022
स्व. श्रीमती लादी देवी

हम सब परिवारजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत :
पुत्र - पुत्रवधु : रूप सिंह - शारदा, उमेशचन्द - उर्मिला
पुत्री - दामाद : विमला - विजय मण्डावरा, उमा - सुशील आसीवाल
पौत्री-पौत्री दामाद : डॉ. देवांशी-इंजी. श्री पवन
पौत्र - पौत्री : गर्वित, हर्षिता, मिष्ठी एवं कारगवाल परिवार

:: कार्यालय एवं निवास :: **रूपन आर्ट्स** जयपुर । दिल्ली । नेपाल
ई-544, लालकोठी स्कीम, ज्योति नगर पुलिस थाने के सामने, जयपुर-302015
फोन : 0141-2741727, मो. 9314502407,9314502964

स्व. 18.02.2013

9वीं पुण्यतिथि
18.02.2022

स्व. श्रीमती निर्मल अजमेरा
धर्मपत्नी चन्द्रप्रकाश अजमेरा

हम सब परिवारजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत :
पुत्र - पुत्रवधु :
गौरव अजमेरा - मीनू अजमेरा
पुत्री - दामाद : उर्वशी - राजेन्द्र बालोदिया, दोहिता : आकाश
पौत्री : किशिका, किन्जल एवं समस्त परिवारजन एवं मित्रमण्डल

निवास : डी-219, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9829488824

स्व. श्री नाथूलाल जी कुमावत
(स्वर्गवास 25.02.2005)
17वीं पुण्यतिथि 25.02.2022

स्व. श्रीमती केसर देवी कुमावत
(स्वर्गवास 26.08.2014)
18वीं पुण्यतिथि 26.08.2022

हम सब परिवारजन सजल नयनों में
सहृदय श्रद्धा सुमनांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत पुत्र-पुत्रवधु : रूपचन्द-पार्वती, राम प्रकाश-सुनिता, राजकुमार-उमा, जयसिंह-कौशल्या, सत्यप्रकाश-शकुन्तला, पुत्री-पुत्री दामाद : श्रीमती प्रकाश-स्व. श्री नेकचन्द जी मण्डावरा, श्रीमती विद्या-स्व. श्री प्रहलाद जी मारोठिया, श्रीमती मंजू-कजोड़ जी देवतवाल, पौत्र-पौत्र वधु : महेश-शलिनी, गीतेश-हर्षा, नरेश-डॉ. हेमा, देवेश-योगिता, आशीष-प्रियंका एवं रोहन पाल सिंह, पौत्री-पौत्री दामाद : रेनू-दिलीप जी, सोमा-सुधीर जी, अरुणा (टीना) चन्द्रप्रकाश जी, सोनिया-योगेश जी, मोनिका-चन्द्रशेखर जी रुबिया-विजेन्द्र जी, श्रृष्टि-सुमित जी एवं वापिका सिंह एवं समस्त मारवाल (टींकीवाले) परिवार

433 ए, सूर्य नगर, गोपालपुरा, बाईपास, जयपुर

स्व. श्री नानूराम जी जलान्द्रा
की 9वीं पुण्यतिथि
28 फरवरी 2022

हम सब परिवारजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत :
धर्मपत्नी : स्व श्रीमती रामप्यारी देवी
पुत्र - पुत्रवधु : ओमप्रकाश - लक्ष्मी, ताराचन्द - भगवति, मोहन लाल - ऊषा, दामोदर लाल - संतोष, महेश - सुनीता, महेन्द्र - सुनीता, ईश्वर - कृष्णा, प्रभूनारायण - पुष्पा
पुत्री - दामाद : रामरखी - सोहनलाल माचीवाल, सुशीला - रमेशचन्द भौरोंदिया, मीरा - कैलाश चन्द खाटूवाल
पौत्र-पौत्रवधु : जितेन्द्र - हेमा, दीपक - चन्द्रकला, राजेश - विमलेश, प्रमोद - डिम्पल, पंकज - कविशा, संजय - दिव्या, मनोज, विनोद, राहुल, हिमांशु, अनिरूद्ध, मृणाल, यश, तेजस
पौत्री - दामाद : इन्दू - मुकेश धुंधारिया, नीलू - नरेन्द्र बारवाल, दीपिका - नरेश सिरोहिया, अंजली - भानू खोराणिया
काजल, टीशा प्रपौत्र/प्रपौत्री : हर्ष, निखिल, सारांश, पूर्विक, डुग्गू, रूह

निवास : 190 ए शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर - 302012 • मोबाईल : 9828118789, 9509344684
फर्म : मै. महेशचन्द नानूराम, शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर

वैवाहिक

RIDDHIKA VERMA

Date of Birth	:	23 November, 1995
Education	:	M. Com.
Occupation	:	Assistant, working in LIC. Previously worked in SBI. Preparing for competitive exams.
Heights	:	5 ft.
GOTRAS	:	**Self :** Ghodela **Mother:** Kaiktiya **Grandmother:** Bawala **Maternal mother:** Kusumbhiwal
FATHER	:	Parma Nand Verma
OCCUPATION	:	Retd. Sr. Bank Manager (PNB)
CONTACT NO	:	9829675865
MOTHER	:	Meena Verma (Home Maker)
SISTER 1	:	Er. Arti Verma, (B. Tech.)
OCCUPATION	:	Working in IQVIA, Bangalore
BRO. IN LAW1	:	Er. Ajay Kumawat (Tondwal), (M. Tech, IIT, Roorkee)
OCCUPATION	:	Working in Samsung Research Institute, Banglore (Presently both Setteled in Sweden)
SISTER 2	:	Dr. Archana Verma, MD (Ayurveda)
OCCUPATION	:	Working as an Asst. Professor In Jayoti Vidyapeeth University, Jaipur
BRO. IN LAW 2	:	Dr. Shreeram Kumawat (Karagwal), MD, PHD Ayurveda
OCCUPATION	:	Own Ayurveda coaching for M.D. Entrance, SHREEG AYURVEDA COACHING, JAIPUR

वैवाहिक

Er. Shubham Kumawat

Date of Birth	:	14 Dec.,1993
Time of Birth	:	12:30 PM (Manglik)
Place of Birth	:	Jaipur
Language	:	Hindi, English
Height	:	5'10"
Contact Details	:	8952815414
Email	:	me.shubhamkumawat@gmail.com
Address	:	61, Shri Ganesh Colony, Mahesh Nagar 80ft Road, Jaipur.
Academic History	:	B.Tech "Computer Science Engineering" (2013-17) Arya College of Engineering & I.T, Kukas, Jaipur.
Current Occupation	:	Digital Marketing Consultant
Income	:	30,000 Rs. Month Firm - "SUOM Marketing" - A Digital Marketing Agency.
Content Creator	:	"Propertybolo" - A Real-Estate Listing Youtube Channel.
Grand Father	:	Shri Girraj Singh Kumawat (Retired., R.S.E.B)
Grand Mother	:	Likshama Devi (Housewife)
Father	:	Om Prakash Kumawat
Mobile	:	9413232761, 8005577804 "Programmer" at Finance Department, Secretariat, Jaipur)
Mother	:	Suman Kumawat (Housewife)
Brother	:	Dr. Jai Kumawat (Final Year "B.A.M.S" Bachelor of Ayurveda, Medicine and Surgery)
Gotra		Self - Devatwal Mother - Mandawara Daadi - Gaidar Naani - Ghodela

हार्दिक बधाई

"कोशिश करने वालों की हार नहीं होती,
लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती।
कुछ किये बिना जय जयकार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।।"

स्व. श्री मुन्ना लाल जी वर्मा (तोंदवाल) व मनोरमा देवी की दोहित्री

भूमिका कुमावत (बुलबुल)

(सुपुत्री श्रीमती भारती एवं श्री मोहनलाल नीमीवाल)

अथक परिश्रम के पश्चात् चार्टेर्ड अकाउन्टेंट (CA) परीक्षा में मिली सफलता के लिए बहुत-बहुत बधाई एवं सुनहरे भविष्य के लिये शुभकामनाऐं।

शुभेच्छु :

मामा-मामी - संजय वर्मा - मिनाक्षी वर्मा, नितिन वर्मा - रविना कुमावत

भाई - चिराग, चिनार, तनिष्क एवं प्रत्यक्ष।

गेट नं. 4 के सामने, नैनवां रोड, बूंदी

स्व. विनोद बालोदिया
9829059312

चेतन बालोदिया
9414052736

सुनील बालोदिया
9928910068

रवि बालोदिया
9829436551

Raj Blocks

Since 1977

OFFSET PRINTERS

A COMPLETE PRINTING SOLUTION

Mob: 9829059312, 9829436551
E-mail: rajprintlinejpr@gmail.com
rajblocks@yahoo.com

• Books • Magazine • Brochures • Catalogue • Flex, Vinayle • Envelops • Letter Head
• Event Tickets • Certificates • Invitation Card • Menu Card • Poster • Calender
• Packazing Box • UV & Leaf with Special Effects

B-81, Road No.4, Kartarpura Ind. Area, 22 Godown, Jaipur
Ph.: 0141-4022538 Mob: 9414052736 • 9928910068

CMT ARTS INDIA PVT LTD.

MANUFACTURER, EXPORTER, IMPORTER & WHOLESALER OF
All kind of : HANDICRAFT, GIFT AND SOUVENIR

Since 1976

Director
Mukesh Kumawat
93146-07695

Managing Director
C.M. Kumawat
98290-56063

Director
Lokesh Kumawat
97837-83123

Showroom :
"Sai-Villa", Plot No. 39, Mission Compound,
C-Scheme, Near Ajmer Puliya (Bridge)
Jaipur 302 001 (Raj.) Tel: +91-141-4041561

Residence :
F-31/A, Lal Bhadhur Nagar (W),
S.L. Marg, Main Road, Durgapura,
Tonk Road, Jaipur - 302018 (Raj.)

Email: cmtartsindia@gmail.com
Website : www.sandalwood.cn.com

Speciality :
1. Cedar Wood/ Kadamba wood with fine carving and half antique.
2. Sandalwood artifacts 3. Brass metal with turquoise work and Antique finish
4. Marble with painted & embossed art 5. Cultured marble 6. Soft stone 7. Miniature Art

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018